कोटद्वार, गुरूवार
23 अक्टूबर 2025
वर्षः 47
अंकः 162 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

महिला से छेड़छाड़ पर हंगामा, क्षेत्र में फैल गया तनाव; लोगों ने किया प्रदर्शन

रुद्रपुर। बुधवार सुबह ट्रांजिट कैंप जनपथ रोड रुद्राक्ष कालोनी निवासी मंजू कोली पत्नी दीनानाथ कोली ने बताया कि घर के बाहर उसकी किराने की दुकान है। पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति की भी किराने की दुकान है। वह आए दिन उससे छेड़छाड़ करता रहता है। 20 अक्टूबर की रात वह अपने दुकान पर थी। इसी बीच पड़ोसी दुकानदार नशे की हालत में आया और सिगरेट मांगते हुए उसका हाथ पकड़ लिया। इस पर उसने हाथ छुड़ाने के लिए धक्का दिया तो वह जमीन पर गिर गया। इससे आक्रोशित होकर वह गालीगलौज करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने लगा। यह देख पड़ोसी रामपाल दिवाकर, देवकी नंदन और नंदराम एकत्र हुए और उसे समझाकर घर तक छोड़ आए। आरोप है कि देर रात उसने पार्षद समेत अन्य लोगों को अपने घर पर बुलाया और शराब पिलाई। जिसके बाद उन्होंने मोहल्ले में हंगामा करते हुए पड़ोसी रामपाल दिवाकर के घर जाकर गालीगलौज कर कार क्षतिग्रस्त कर दी। शोर होने पर जब वह बीच बचाव करने लगी तो उसे देख लेने की धमकी दी। मंजू कोली ने पुलिस से आरोपित और उसे संरक्षण देने वाले पार्षद पर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष ट्रांजिट कैंप मोहन पांडे ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है। जांच की जा रही है, इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नैनीताल में लौटी रौनक, भवाली में जाम से परेशानी

नैनीताल। दीपावली वीकेंड के चलते बुधवार को नैनीताल समेत कैंची धाम, मुक्तेश्वर और रामगढ़ आदि पर्यटक स्थल गुलजार रहे। वहीं भवाली में जाम लगने से लोगों और पर्यटकों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा। गोवर्धन पूजा और भाई दूज के अवकाश के चलते सुबह से ही पर्यटकों के नैनीताल पहुंचने से रौनक लौट आई। नौकायन के लिए बोट स्टैंडों पर पर्यटकों की भीड़ रही, तो माल रोड पर दिनभर चहल–पहल बनी रही। नाव चालक समिति के महासचिव नैन सिंह चौहान ने बताया कि बीते कई दिनों की अपेक्षा पर्यटकों की संख्या बढ़ने से फिर रौनक लौट आई है। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि इस बार मुख्य पर्यटन सीजन के साथ ही बंगाली सीजन में भी कारोबार प्रभावित रहा। अब पर्यटकों की पहुंचने से उम्मीद जगी है। पर्यटकों के बड़ी संख्या में कैंची धाम, मुक्तेश्वर और रामगढ़ आदि पर्यटक स्थलों की ओर पहुंचने से भवाली में दिनभर जाम की स्थिति बनी रही।

यातायात के दबाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने वाहनों को नैनी बैंड सेनिटोरियम बाईपास से नैनीताल और हल्द्वानी की ओर भेजा। इसके बावजूद नैनीताल रोड पर कई घंटों तक जाम लगा रहा। जिससे लोगों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। होटल एसोसिएशन भवाली के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद कपिल ने बताया कि वीकेंड पर पर्यटक तो पहुंचे, पर होटल कारोबार पर इसका विशेष असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार छुट्टियां मनाने आने वाले पर्यटकों की संख्या कम रही।

आज भी तीर्थपुरोहित कठिन डगर से मुखबा पहुंचाते हैं मां गंगा की उत्सव डोली

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम में मां गंगा मंदिर के कपाट बंद और खुलने पर आज भी तीर्थ पुरोहित और ग्रामीण गंगा की उत्सव डोली को मुखबा से जांगला तक दोनों ओर खतरनाक पगडंडियों से पहुंचाते हैं। ग्रामीण लंबे समय से मुखबा से जांगला तक सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन इस पर लंबे समय से कार्रवाई नहीं हो पाई है। इस पर सबसे अधिक परेशानी बर्फबारी के दौरान होती है। क्योंकि कई बार कपाट बंद होने के समय क्षेत्र में बर्फबारी होती है।

सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार आज भी मां गंगा की उत्सव डोली कपाट खुलते समय मुखबा से गंगोत्री धाम तक पैदल जाती है। वहीं कपाट बंद होने पर उत्सव डोली गंगोत्री से मुखबा तक पैदल ही आती है। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों को सबसे अधिक परेशानी का सामना जांगला से मुखबा तक करना पड़ता है। क्योंकि वहां पर करीब सात किमी का पैदल मार्ग खड़ी चट्टानों और पहाड़ी पर बनी पगडंडियों से होकर गुजरता है।

आज बंद होगें बाबा केदार के कपाट

रुद्रप्रयाग : 12 ज्योर्तिलिंग में शामिल भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोगमूर्ति को डोली में सजाकर मंदिर में विराजमान किया गया। 23 अकटूबर यानी भैयादूज के अवसर पर केदारनाथ धाम के कपाट पौराणिक रीति रिवाजों के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। बद्री-केदार मंदिर समिति ने कपाट बंद को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली है। परम्परानुसार प्रतिवर्ष भैयादूज पर ही बाबा केदार के कपाट बंद किए जाते हैं। बुधवार को केदारनाथ की पंचमुखी भोगमूर्ति को मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने विशेष पूजा अर्चना कर भोग लगाया गया। जैसे ही भगवान की पंचमुखी उत्सव डोली मंदिर परिसर परिसर पहुंची। भक्तों की जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। इस दौरान भक्तों ने उत्सव डोली की दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर की एक परिक्रमा के बाद उत्सव डोली को सभा मंडप में विराजमान किया गया। गुरूवार यानी भैयादूज के अवसर पर सुबह साढे 8 केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। सुबह 6 बजे गर्भ गृह के कपाट बंद होंगे, जबकि साढ़े 8 बजे मंदिर का मुख्य द्वार बंद किया जाएगा। कपाट बंद होने के बाद केदार बाबा की डोली पहले दिन रात्रि प्रवास के लिए रामपुर पहुंचेगी। 24 अक्टूबर को रामपुर से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास के लिए विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी तथा 25 अक्टूबर को गुप्तकाशी से प्रस्थान अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमन होगी। जहां शीतकाल के छह माह तक यहीं पर नित्य पूजाएं संपन्न की जाएंगी। वहीं मंदिर के कपाट बंद करने को लेकर बीकेटीसी के साथ ही जिला प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन, यात्रा प्रबंधन एवं संबंधित विभागों ने सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली हैं। जिला प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन, यात्रा प्रबंधन एवं संबंधित विभागों द्वारा कपाट बंद होने के उपलक्ष्य पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन ने कहा कि केदारनाथ के कपाट बंद होने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा और अन्य व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

उत्तरकाशी। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को अन्नकूट पर्व पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ अभीजीत मुहूर्त में ठीक 11: 36 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन पड़ाव मुखीमठ (मुखबा) के लिए रवाना हुई। डोली गुरुवार को मुखबा पहुंचेगी। जहां पर श्रद्धालु आगामी छह माह तक मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। बुधवार को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तैयारी सुबह 8:30 बजे शुरू हुई। सर्व प्रथम उदय बेला पर मां गंगा के मुकुट को उतारा गया। इस बीच श्रद्धालुओं ने मां की भोग मूर्ति के दर्शन किए। इसके बाद अमृत बेला, स्वाती नक्षत्र प्रीतियोग शुभ लग्न अभिजीत मुहूर्त पर ठीक 11: 20 पर डोली को मंदिर से बाहर लाया गया और 11:36 मिनट पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने विशेष पूजा और गंगा लहरी का पाठ किया। डोली में सवार होकर गंगा की भोगमूर्ति जैसे ही मंदिर परिसर से बाहर निकली तो पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क में 15 नवंबर से शुरू होगी जंगल सफारी

देहरादून। विश्व प्रसिद्ध राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क में पर्यटक 15 नवंबर से जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे। पर्यटन व्यवसायी पंजीकरण (सफारी वाहन स्वामी) के लिए 25 अक्तूबर तक आवेदनपत्र वेबसाइट या कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30अक्तूबर निर्धारित की गई है। जंगल सफारी के लिए पार्क हर वर्ष 15 नवंबर को खोला जाता है और 15 जून तक खुला रहता है। इस दौरान यहां बड़ी संख्या में पर्यटक जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं। जंगल सफारी से पार्क प्रशासन को हर वर्ष एक करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होता है। राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क एशियाई हाथियों व बाघों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां तेंदुआ, जंगली बिल्ली, हिमालयी काला भालू, स्लॉथ भालू, धारीदार लकड़बग्घा, सांभर, जंगली सुअर, चित्तीदार हिरण, बार्किंग हिरण और कई अन्य जानवर बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इन दिनों पार्क में गेट व रोड मरम्म्त का कार्य चल रहा है। पार्क प्रशासन का कहना है कि 31 अक्तूबर तक पार्क के अंदर अलग–अलग रेंजों में सफारी ट्रैक तैयार करने का कार्य पूर्ण हो जाएगा। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी जुटा ली जाएंगी। चार रेंजों में होती है जंगल सफारीः पार्क क्षेत्र की चार रेंजों चिल्लावाली रेंज (30 किमी), हरिद्वार रानीपुर रेंज (24 किमी), मोतीचूर रेंज (22 किमी) व चीला रेंज (36 किमी) में जंगल सफारी संचालित की जाती है। करीब 200 से अधिक स्थानीय निवासियों को रोजगार भी मिलता है। पार्क क्षेत्र में 160 से अधिक जंगल सफारी वाहन हैं। जंगल सफारी के लिए सफारी पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। पर्यटन व्यवसायी पंजीकरण फार्म 25 अक्तूबर तक प्रधान कार्यालय या वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर निर्धारित की गई है। – अजय लिंगवाल, एसीएफ, राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क

नदी-नालों के किनारे बने रिसॉर्ट की अब खैर नहीं

देहरादून : दून की खूबसूरत घाटियां सहस्त्रधारा, गुच्चूपानी, मालदेवता, शिखर फाल और किमाड़ी जैसे पर्यटन स्थलों पर नदी-नालों किनारे अतिक्रमण कर बनाए गए रिसॉर्ट व होटलों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने नदी-नालों के किनारे व वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर किए गए व्यावसायिक निर्माण की जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही ऐसे रिसॉर्ट व होटलों की बुकिंग वेबसाइट ब्लाक करने और रिपोर्ट शासन को भेजने की बात कही है।

दून में जहां कभी प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य सैलानियों को आकर्षित करता था, वह अतिवृष्टि और बादल फटने के बढ़ते खतरे के लिए बदनाम होते जा रहे हैं। पिछले दिनों कार्लीगाड़ व मालदेवता क्षेत्र में आई आपदा इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किस कदर अवैध व्यावसायिक निर्माण की आपाधापी में इन क्षेत्रों का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है। सहस्त्रधारा से लेकर मालदेवता और सरखेत तक नदी क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण कर दिए गए हैं। नदी श्रेणी की भूमि कब्जाकर आलीशान होटल और रिसॉर्ट खड़े कर दिए गए हैं। हर जगह नदी के प्राकृतिक प्रवाह व चौड़ाई की अनदेखी की गई है। नदियों का गला घोंटने जैसे हालात बन गए हैं। पर्यटन के नाम पर हो रहे इस अनियंत्रित व बिना मानकों वाले निर्माण से न सिर्फ प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि आपदा का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। जिलाधिकारी ने आपदाग्रस्त क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान बांडावाली खैरी मान सिंह क्षेत्र में आलीशान रिसॉर्ट का निर्माण नदी की भूमि पर पिछले माह देखा था। इस ह्यस्पर्श फर्म एंड रिसॉर्ट ह्य को सुरक्षित करने के लिए रिसॉर्ट स्वामी की ओर से बनाई गई एप्रोच से नदी की धारा ही मोड़ दी गई। जिससे आपदा के दौरान पानी का रुख सड़क की तरफ हो गया। जिस कारण 150 मीटर सड़क पूरी तरह तबाह हो गई।

जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिसॉर्ट की उच्च स्तरीय जांच बैठाई हुई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि जिले में नदी-नालों के किनारे व वन क्षेत्र की भूमि अतिक्रमित कर जितने भी व्यावसायिक निर्माण हुए हैं, उन सभी की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। साथ ही ऐसे रिसॉर्ट, होटल, होमस्टे आदि की बुकिंग वेबसाइट भी बंद कराई जाएगी। (एजेंसी)

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

– मंगेतर और बहन के साथ मेला देखने गया था युवक

रुद्रपुर। मंगेतर के साथ नानकमत्ता से मेला देखकर लौट रहे स्कूटी सवार विवेक सिंह राणा (23) अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई जबकि स्कूटी में सवार समेत दो युवतियां घायल हो गईं। कुटरा निवासी विवेक सिंह राणा पुत्र मुकेश राणा सोमवार रात नानकमत्ता मेले से घर लौट रहा था। उसकी स्कूटी में उसकी मंगेतर और और उसकी बहन भी बैठीं थीं।

बानूसी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप घायल हो गए। घायलों को उप जिला अस्पताल में लाया गया। डॉक्टर ने विवेक को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल दोनों युवतियों को रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि विवेक इकलौता पुत्र था, उसकी एक बहन है। कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी ने बताया कि विवेक की शादी की बात तय हुई थी। पोस्टमार्टम के बाद विवेक के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए कार्य करें : धामी

गोवर्धन पूजा पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गौ माता की पूजा-अर्चना

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास स्थित गौशाला में गौ माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण, मनुष्यों एवं जानवरों के बीच के प्रेम को दर्शाता है। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का भी संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि हम सभी मिलकर गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा मिला है। गौमाता सनातन संस्कृति और कृषि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उनकी सेवा और संरक्षण, हमारे जीवन को आगे बढ़ाता है। कई परिवारों का भरण-पोषण गाय पालन और गो-सेवा से होता है। गौ-संवर्धन धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के साथ ही आजीविका और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निराश्रित गोवंश के लिए गौ सदनों के निर्माण और संचालन को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में निराश्रित पशु (जिन्हें गौशालाओं में पाला जा रहा है) उनके भरण पोषण के लिए पहले 5 रुपए प्रति दिन प्रति पशु दिया जाता था, इसे बढ़ाकर अब 80 रुपए प्रति पशु/ प्रति दिन किया गया है। निजी रूप से गौशालाओं के निर्माण में राज्य सरकार ने 60 फीसदी सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 54 गौ सदनों का निर्माण कार्य जारी है।

पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को तगड़ा झटका

बेल्जियम की अदालत ने प्रत्यर्पण को दी हरी झंडी

नई दिल्ली ,भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को बड़ा झटका लगा है। बेल्जियम की एक अदालत ने फैसला सुनाया है कि चोकसी के भारत प्रत्यर्पण में कोई कानूनी बाधा नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चोकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं, बल्कि एक विदेशी नागरिक है और उसके खिलाफ लगे आरोप इतने गंभीर हैं कि उसका प्रत्यर्पण जायज है। अंतिम नतीजे में कोर्ट ने कहा कि मेहुल चोकसी भारत के घोटाले में आरोपी है और यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अदालत ने भारत द्वारा दिए गए उन आश्वासनों पर भरोसा जताया, जिनमें कहा गया है कि भारत में उसे निष्पक्ष सुनवाई, सुरक्षा, उचित जेल व्यवस्था और चिकित्सा सुविधा मिलेगी। मेहुल चोकसी की नागरिकता पर कोर्ट ने कहा कि उसने खुद यह नहीं झुठलाया कि वह बेल्जियम का नागरिक नहीं है, इसलिए कोर्ट ने उसे विदेशी नागरिक माना। अदालत ने पाया कि भारत में चोकसी पर कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं, जिनमें साजिश (धारा 120–), सबूत मिटाना (धारा 201), सरकारी पैसे की हेराफेरी (धारा 409), धोखाधड़ी (धारा 420), झूठे खाते बनाना (धारा 477) और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराध (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988) शामिल हैं। इन सभी में एक साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान है। बेल्जियम के कानून के मुताबिक भी, आपराधिक गैंग का हिस्सा बनना, धोखाधड़ी, गबन, रिश्वत और फर्जी कागजों का इस्तेमाल करना गंभीर अपराध हैं, जिनमें एक साल से ज्यादा की जेल है। हालांकि, कोर्ट ने 'सबूत मिटानेइ के बिंदु पर प्रत्यर्पण की मंजूरी नहीं दी, क्योंकि इसे बेल्जियम में उस श्रेणी का अपराध नहीं माना जाता।

चोकसी ने दलील दी थी कि उसे एंटीगुआ से भारत के कहने पर किडनैप किया गया था। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि चोकसी इसका कोई सबूत पेश नहीं कर पाया। कोर्ट ने यह भी साफ कहा कि यह मामला न तो राजनीतिक है, न सैन्य और न ही टैक्स से जुड़ा है। भारत सरकार चोकसी के खिलाफ उसकी जाति, धर्म या राजनीतिक विचारों के कारण कार्रवाई नहीं कर रही है। चोकसी ने कई रिपोर्ट्स का हवाला देकर कहा था कि भारत की जेलों की हालत खराब है और न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ये रिपोर्टें अन्य मामलों (जैसे सिख एक्टिविज़्म, तिहाड़ जेल आदि) से जुड़ी हैं। इससे यह साबित नहीं होता कि चोकसी को भारत में अन्याय या अत्याचार का सामना करना पड़ेगा। भारत की ओर से कोर्ट को जानकारी दी गई कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा, जो 46 वर्ग मीटर का है, जिसमें दो सेल और निजी शौचालय की व्यवस्था है। उसे केवल चिकित्सा या अदालत में पेशी के लिए ही बाहर लाया जाएगा और उसका नियंत्रण जांच एजेंसी के पास नहीं, बल्कि अदालत के पास होगा। अदालत ने चोकसी की अपील खारिज करते हुए कहा कि उसने ऐसा कोई सबूत नहीं दिया जिससे लगे कि भारत में उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी। कोर्ट ने माना कि बड़े घोटालों में मीडिया की रुचि होना सामान्य है और इसे पक्षपात नहीं कहा जा सकता।

हिमाचल से लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान तक भूकंप के झटके

नई दिल्ली , बीते कुछ घंटों के दौरान तिब्बत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और भारत के हिमाचल प्रदेश तथा लद्दाख में भूकंप के झटके महसूस किए गए। लगातार आए इन झटकों से लोगों में दहशत फैल गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता क्रमशः तिब्बत में 4.0, पाकिस्तान में 4.6, अफगानिस्तान में 4.3, शिमला में 2.8 और लेह में 3.7 मापी गई। ये सभी क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

तिब्बत और पड़ोसी देशों में झटके

तिब्बत में आए 4.0 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पहाड़ी क्षेत्र में रहा। झटके हल्के महसूस किए गए और किसी तरह की क्षति की सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। पाकिस्तान में 4.6 और अफगानिस्तान में 4.3 तीव्रता के भूकंप दर्ज किए गए। पाकिस्तान के उत्तरी और अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में झटके महसूस हुए। दोनों देशों के प्रशासन ने भूकंपीय गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

केरल में बड़ा हादसा टला

राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान धंसा हेलीपैड

तिरुवनंतपुरम , केरल के प्रमदम स्टेडियम में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ले जा रहे हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान हेलीपैड धंस गया। यह हादसा हेलीकॉप्टर के वजन के कारण हुआ, जिससे राष्ट्रपति की सुरक्षा में एक बड़ी चूक सामने आई। घटना के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन विभाग के आपातकालीन कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई की। उन्होंने मैन्युअल रूप से (हाथों से धकेलकर) हेलीकॉप्टर को प्रभावित हिस्से से सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह है कि इस घटना में राष्ट्रपति या हेलीकॉप्टर में सवार किसी भी चालक दल के सदस्य को कोई चोट नहीं आई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज केरल में प्रसिद्ध सबरीमाला हिल श्राइन के दर्शन करेंगी। वह मंगलवार शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं, जहां केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस हादसे के बावजूद, राष्ट्रपति का कार्यक्रम जारी रहा। वह हेलीकॉप्टर से तिरुवनंतपुरम से निलक्कल तक गईं और फिर सबरीमाला हिल श्राइन के बेस स्टेशन पंपा के लिए प्रस्थान किया।

इंसानियत शर्मसार! दलित ड्राइवर से क्रूरता की हदें पार

किडनैप कर पीटा, जबरन पिलाई पेशाब

भिंड , मध्य प्रदेश के भिंड में दिवाली के पावन अवसर पर मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां तीन दबंग बदमाशों ने एक दलित ट्रक ड्राइवर को सिर्फ इसलिए किडनैप कर लिया, क्योंकि उसने ट्रक चलाने से मना कर दिया था। आरोपियों ने ड्राइवर से न सिर्फ जमकर मारपीट की, बल्कि उसे जबरन पेशाब पीने पर भी मजबूर किया। हालांकि, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, लेकिन इस अमानवीय घटना ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश दिए, जिसके बाद नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला मंगलवार को भिंड जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित युवक से करीब आधा घंटे तक बातचीत की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

पुलिस ने बताया कि यह घिनौनी घटना भिंड जिले के सुरपुरा थाना क्षेत्र की है। दिवाली के दिन, पीड़ित ज्ञान सिंह जाटव का गाड़ी चलाने को लेकर तीन लोगों से विवाद हुआ था। आरोप है कि इसके बाद दबंगों ने उसका बोलोरो गाड़ी में अपहरण कर लिया। दीनदयाल नगर में रहने वाले पीड़ित ज्ञान सिंह जाटव ने बताया कि सुरपुरा गांव का रहने वाला सोनू बरुआ, दतावली गांव का रहने वाला आलोक शर्मा और भिंड का रहने वाला छोटू, दिवाली के दिन उसके घर पहुंचे। वे उसे किडनैप करके जबरदस्ती गाड़ी में बिठाकर भिंड ले आए। पीड़ित के अनुसार, रास्ते में उसके साथ पाइप से जमकर मारपीट की गई। इसके बाद भिंड में सेमरपुरा मोड़ पर लाकर उसे जबरन पेशाब पिलाई गई। दरिंदों का मन इतने से भी नहीं भरा और वे उसे सुरपुरा गांव ले गए और वहां एक बार फिर से मारपीट की, फिर उसे छोड़ा।

6 साल की बच्ची समेत 4 लोग जिंदा जले, 11 झुलसे, घर में सोते समय हुआ हादसा

नवी मुंबई , मुंबई से सटे नवी मुंबई के वाशी इलाके में तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। वाशी स्थित रहेजा कॉम्प्लेक्स की एक बिल्डिंग में बीती रात करीब 2 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 6 साल की एक बच्ची समेत चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इस हादसे में 11 अन्य लोग झुलस गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, आग रात करीब 2 बजे लगी, जब सभी लोग अपने घरों में सो रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली कि इसने तीन फ्लैटों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। एनएमएमसी के मुख्य अग्निशमन अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान चार लोग मृत पाए गए। मृतकों की पहचान वैदिक बालकृष्ण (उम्र 6 वर्ष), कमल हीरालाल जैन (उम्र 84 वर्ष), सुंदर बालकृष्णन (उम्र 46 वर्ष), और पूजा राजन (उम्र 39 वर्ष) के रूप में की गई है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 10 से 15 अन्य लोगों को बिल्डिंग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जो क्षेत्र नक्सलियों के आतंक से कांपते थे आज वहां सड़कें, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज हैं: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली , राजनाथ सिंह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर विभिन्न पुलिस बलों के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि देश के जो क्षेत्र पहले नक्सलियों के आतंक से कांपते थे, आज वहां सड़कें, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज पहुंच चुके हैं। जो क्षेत्र कभी नक्सलियों का गढ़ हुआ करते थे, आज वो एजुकेशनल हब बन रहे है। आज वहां बच्चे मोबाइल चला रहे हैं, कंप्यूटर चला रहे हैं, बड़े सपने देख रहे हैं। भारत के जो क्षेत्र रेड कॉरिडोर के नाम से कुख्यात थे, वह अब ग्रोथ कॉरिडोर में बदल चुके हैं। सरकार जो इतने परिवर्तन कर पाई है, इसमें बहुत बड़ा योगदान हमारे पुलिस बलों का और सुरक्षाबलों का है। यह जानकारी मंगलवार को रक्षामंत्री ने कहा कि यह, देश की सुरक्षा में अपने आप को समर्पित कर देने वाले हमारे पुलिस और सभी अर्धसैनिक बलों के जवानों के त्याग को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि एक लंबे समय तक, नक्सलवाद हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए समस्या रहा। एक समय था जब छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र इन सभी राज्यों के कई जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। गावों में स्कूल बंद थे, सड़कें नहीं थीं, और लोग भय में जीते थे। लेकिन हमने ठान लिया कि इस समस्या को आगे नहीं बढ़ने देंगे। हमारी पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर जिस तरह संगठित तरीके से काम किया वह काबिल–ए–तारीफ है। रक्षामंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों के हमारे सम्मिलित प्रयास, फलीभूत हो रहे हैं। पूरे देश को अब यह भरोसा हो गया है, कि अगले वर्ष तक इस समस्या का नामोनिशान नहीं रहेगा। इस वर्ष भी कई शीर्ष नक्सलियों का खात्मा किया जा चुका है। नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी अब बहुत कम बची रह गई है, और वह भी अगले वर्ष मार्च तक खत्म हो जाएगी।

सम्पादकीय

पुलिस व्यवस्था में सुधार

समाज को अपराधीकरण से मुक्त करने के लिए एक सशक्त पुलिस तंत्र के होना जरूरी है। राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह सामाजिक सुरक्षा के लिए एक मजबूत सुरक्षा तंत्र की स्थापना करें। पुलिस तंत्र को मजबूत बनाने के लिए कार्मिको की सुविधा को भी अमल में लाना होगा। इसी के मध्य नजर राज्य सरकार ने आगामी 03 वर्षो में पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु प्रतिवर्ष 100 करोड़ की धनराशि दी जाने के साथ भवाली नैनीताल, ढालमल्ला काण्डा बागेश्वर, नैनीडांडा धुमाकोट पौड़ी, घनसाली टिहरी, सतपुली पौड़ी में एसडीआरएफ के जवानों हेतु 5 बैरकों का निर्माण कराए जाने की घोषणा की है। पुलिस कल्याण निधि के अन्तर्गत वर्तमान में प्रावधानित 2.50 करोड़ की धनराशि को पुनरीक्षित करते हुये आगामी एक वर्ष के लिए 4.50 करोड़ किया जाएगा। देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों के पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों के जवानों पर है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए बीते एक वर्ष में, संपूर्ण भारत में 186 अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों ने अपना सवोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के 4 वीर सपूत भी शामिल हैं। बलिदानी पुलिस कर्मी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद हैं, उनका बलिदान पूरे समाज के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। राज्य सरकार को राज्य की पुलिस व्यवस्था को और भी अधिक सक्षम और संसाधनयुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए उत्तराखंड सरकार ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए अब तक 5 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत समस्त पुलिस कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा देना सरकार का सराहनीय कदम है। राज्य सरकार को पुलिस कर्मियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की दिशा में भी लगातार काम कर रही है। उच्च स्तर के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण संस्थानों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने के साथ–साथ प्रशिक्षण में गुणवत्ता भी जरूरी है। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पुलिस जवान हर परिस्थिति में अदम्य साहस का अभूतपूर्व परिचय देते हैं। हमारा प्रदेश भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य है ऐसे में राज्य की शांति और सुरक्षा बनाए रखने में हमारे पुलिसकर्मियों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

बिहार राजनीति के लिए नीतीश ने अपने को अपरिहार्य बनाया

नीतीश कुमार ने सबसे पहले यह प्रयोग किया इसलिए सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही बहुत कम संख्या वाली जातियों के नेता के रूप में वे ही स्थापित हुए। भाजपा उनके इस प्रयोग को देख रही थी और इसको काउंटर करने का प्रयास भी किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। देर से ही सही लेकिन उसने कम आबादी वाली जातियों का नेतृत्व उभारने का प्रयास किया। इसी प्रयास के तहत 2020 के चुनाव के बाद जब जनता दल यू 43 सीट की पार्टी रह गई थी तब भाजपा ने उनके साथ तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन इस प्रयोग में कामयाबी इसलिए नहीं मिली क्योंकि भाजपा के पास जातियों के प्रतिनिधि चेहरे नेता बनने लायक नहीं थे। उस मामले में नीतीश पहले ही भाजपा को कमजोर कर चुके थे। दूसरा कारण यह हुआ कि दो साल बाद ही नीतीश कुमार भाजपा को छोड़ कर राजद के साथ चले गए और वहां जाकर जाति गणना करा दी। उसके बाद वे फिर भाजपा के साथ तभी लौटे, जब उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया कि विपक्षी एकता के सामने भाजपा मजबूर है और उनके हिसाब से काम करेगी। तभी 2024 के जनवरी में जब नीतीश वापस लौटे तो भाजपा को कुशवाहा और भूमिहार उप मुख्यमंत्री बनाना पड़ा।

अजीत द्विवेदी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने को बिहार की राजनीति के लिए तो अपरिहार्य बनाया ही है साथ ही उन्होंने बिहार की दोनों बड़ी राजनीतिक शक्तियों भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी अपने को अपरिहार्य बनाया। उन्होंने बिहार की राजनीति को वह रूप दे दिया है, जिसमें किसी भी पार्टी की सरकार उनको बगैर नहीं बन पाती है। इस बात को इस तथ्य से समझें कि वे सबसे बड़ी पार्टी रहे तब भी मुख्यमंत्री बने और तीसरे नंबर की पार्टी रह गए तब भी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने एक समय 243 के सदन में सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गए राजद को पुनर्जीवन दिया तो नरेंद्र मोदी को उस समय हराया, जिस समय वे अपनी लोकप्रियता के शिखर पर थे। आज अगर भाजपा 240 लोकसभा सांसदों वाली पार्टी बनी है तो इसकी कहानी भी नीतीश से शुरू होती है। जिस समय चंद्रशेखर राव, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल सब विफल हो गए उस समय नीतीश ने विपक्षी गठबंधन बनवा दिया, जिसकी पहली बैठक जून 2023 में पटना के मुख्यमंत्री आवास एक, अणे मार्ग में हुई थी। यह अलग बात है कि बाद में नीतीश खुद ही भाजपा के साथ चले गए। फिर भी यह बंदोबस्त करके गए कि भाजपा पूर्ण बहुमत नहीं हासिल कर सके। इसका मतलब है कि वे मारना भी जानते हैं और बचाना भी। उन्होंने नरेंद्र मोदी के साथ यही किया, जो लालू प्रसाद के साथ किया।

बहरहाल, अगर 2025 के चुनाव के बंदोबस्तों की बात करें तो नीतीश कुमार ने इसकी बिसात 2022 में बिछा दी थी, जब वे भाजपा से अलग होकर राजद के साथ गए थे। राजद के साथ मिल कर उन्होंने जाति गणना कराई। पहले से जाति में बंटे बिहार के समाज में जातियों का और बारीक बंटवारा कर दिया। उन्होंने व्यापक हिंदू एकता बनाने के भाजपा के प्रयास को तो पंक्चर किया ही साथ ही बहुत कम संख्या वाली जातियों को भी सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा करने को प्रेरित किया। इन जातियों की प्रतिस्पर्धा का नतीजा है कि बिहार की पार्टियों के टिकट बंटवारे में इतनी विविधता देखने को मिल रही है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में दिखा कि कैसे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने अपने मुस्लिम और यादव समीकरण से बाहर कुशवाहा और भूमिहार या ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे। विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में यह विविधता और ज्यादा देखने को मिल रही है।

नीतीश कुमार ने सबसे पहले यह प्रयोग किया इसलिए सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही बहुत कम संख्या वाली जातियों के नेता के रूप में वे ही स्थापित हुए। भाजपा उनके इस प्रयोग को देख रही थी और इसको काउंटर करने का प्रयास भी किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। देर से ही सही लेकिन उसने कम आबादी वाली जातियों का नेतृत्व उभारने का प्रयास किया। इसी प्रयास के तहत 2020 के चुनाव के बाद जब जनता दल यू 43 सीट की पार्टी रह गई थी तब भाजपा ने उनके साथ तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन इस प्रयोग में कामयाबी इसलिए नहीं मिली क्योंकि भाजपा के पास जातियों के प्रतिनिधि चेहरे नेता बनने लायक नहीं थे। उस मामले में नीतीश पहले ही भाजपा को कमजोर कर चुके थे। दूसरा कारण यह हुआ कि दो साल बाद ही नीतीश कुमार भाजपा को छोड़ कर राजद के साथ चले गए और वहां जाकर जाति गणना करा दी। उसके बाद वे फिर भाजपा के साथ तभी लौटे, जब उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया कि विपक्षी एकता के सामने भाजपा मजबूर है और उनके हिसाब से काम करेगी। तभी 2024 के जनवरी में जब नीतीश वापस लौटे तो भाजपा को कुशवाहा और भूमिहार उप मुख्यमंत्री बनाना पड़ा।

जाति साधने के साथ साथ नीतीश ने इस हकीकत को पहचाना कि पलायन के कारण बिहार में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा हैं। तभी उन्होंने देश में सबसे पहले महिला मतदाता समूह को खुश करने और अपने साथ जोड़ने की राजनीति शुरू की। स्थानीय निकाय में 50 फीसदी आरक्षण से लेकर, बालिका साइकिल योजना, पोशाक योजना, जीविका दीदी, शराबबंदी से लेकर नौकरियों में 35 फीसदी डोमिसाइल और अब महिला उद्यमी योजना तक उनकी योजनाओं ने महिलाओं को उनके साथ स्थायी रूप से जोड़ दिया। इस बार चुनाव में मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए भेजने को गेमचेंजर के रूप में देखा जा रहा है। इसकी तुलना शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना या एकनाथ शिंदे की लड़की बहिन योजना या हेमंत सोरेन की मइया सम्मान योजना से की जा रही है। लेकिन यह योजना असर के मामले में इसलिए भिन्न है क्योंकि इसके तहत जिन महिलाओं को लाभ मिल रहा है उनके साथ नीतीश का एक भावनात्मक जुड़ाव उस समय से है, जब उन्होंने उनको साइकिल देकर उनका स्कूल जाना सुनिश्चित किया था। आज वही लड़कियां गृहिणी हैं, उद्यमी हैं या कहीं छोटे मोटे काम कर रही हैं। उनको नकद पैसा मिलना उनके साइकिल के दिनों की याद ताजा करेगा।

नीतीश कुमार ने इसके साथ ही पिछले 20 वर्षों के अपने शासनकाल में 2005 से पहले के बिहार की यादों को भी जीवित रखा और बिहार की जनता के बीच यह नैरेटिव स्थापित किया कि उनकी कमीज सबसे उजली है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की तरह अपने परिवार को राजनीति से दूर रखा और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप अपने ऊपर नहीं लगने दिया। यह मामूली बात नहीं है कि थोड़े समय की सत्ता भी नेताओं को व्यापक रूप से भ्रष्ट बना रही है तो नीतीश कुमार 20 साल मुख्यमंत्री रहने और उससे पहले कई बार केंद्रीय मंत्री रहने के बावजूद ईमानदार बने रहे। उन्होंने सामाजिक समीकरण, 2005 से पहले के शासन की बुरी यादों और अपनी ईमानदार छवि के आधार पर अपने को अपरिहार्य बनाया। तभी आज भाजपा की मजबूरी है कि वह नीतीश कुमार का चेहरा दिखाए। अगर नहीं दिखाती है तो इसका फायदा तेजस्वी यादव को हो सकता है। इसी दिन के लिए तो नीतीश ने राजद को पुनर्जीवन देकर तेजस्वी यादव को राजनीति और शासन दोनों का अनुभव दिया। दूसरे, मंडल से उभरे सभी नेताओं के हाशिए पर जाने के बाद मंडल की राजनीति के स्वाभाविक उत्तराधिकारी भी तेजस्वी ही हैं। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है।

अंत में चुनाव जीतने वाले आधुनिक बंदोबस्तों की बात करें तो इस बार के चुनाव में नीतीश कुमार की सरकार ने भी खुल कर पैसा बांटा। इस तात्कालिक दांव ने नीतीश के दीर्घकालिक राजनीति के साथ मिल कर एनडीए की जीत की संभावना को बढ़ाया है। उनकी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा की पेंशन चार सौ से बढ़ा कर 11 सौ रुपए महीना कर दी। हर महीने 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी। महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10–10 हजार रुपए डाले। स्नातक बेरोजगारों को एक एक हजार रुपया महीना देने का ऐलान किया तो नए वकीलों को तीन साल तक पांच पांच हजार रुपए की राशि देनी शुरू की। आशा दीदी, जीविका दीदी, ममता दीदी से लेकर स्कूलों के नाइट गार्ड्स, पीटी टीचर्स आदि का मानदेय बढ़ा दिया। ध्यान रहे नीतीश के खिलाफ कोई ऐसा गुस्सा जमीन पर नहीं दिख रहा है कि उनको उखाड़ फेंकना है। उनके खिलाफ सिर्फ यह बात है कि वे 20 साल से मुख्यमंत्री हैं। इससे थोड़ी ऊब और थकान लोगों में दिख रही है, जिसे पैसे बांट कर दूर किया जा रहा है।सो, नीतीश की राजनीति, उनके व्यक्तित्व और सरकार के कामकाज की जड़ें इतनी गहरी हैं कि आसानी से नहीं उखड़ने वाली है। तभी भाजपा की मजबूरी है कि वह उनकी पार्टी को महत्व दे और उनका चेहरा दिखा कर चुनाव में जाए। उसको पता है कि नीतीश का चेहरा दिखाए बगैर चुनाव जीतना मुमकिन नहीं है। उनकी पुण्यता ने ही पहले भी भाजपा को सत्ता दिलाई और इस बार भी दिला सकती है। जहां तक चुनाव जीतने के बाद उनको हाशिए में डालने की रणनीति का सवाल है तो भाजपा को यह भूल जाना चाहिए।

चुनाव से पहले नीतीश और उनकी पार्टी के नेताओं का जो रुख है वह चुनाव के बाद भी वैसा ही नहीं रहने वाला है। चुनाव में अगर एनडीए जीतता है तो नीतीश की पार्टी किसी भी हाल में ऐसी स्थिति में रहेगी कि उसके बगैर किसी की सरकार न बने। अंत में नीतीश कुमार के लिए हिंदी के महानतम कवि महाप्राण निराला की पंक्तियाः मेरे अविकसित रागों से ही विकसित होगा बंधु दिगंत, अभी न होगा मेरा अंत!

इस बार रिकॉर्ड पंजीयन, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बढ़ी संख्या

महाराष्ट्र परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के लिए इस वर्ष लगभग 4 लाख 75 हजार उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया है। नवंबर में होने वाली परीक्षा के लिए आवेदनों की संख्या गत वर्ष की तुलना में करीब 1 लाख अधिक है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी अनिवार्य किये जाने के कारण इस बार संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

सभी प्रबंधन, बोर्डों, माध्यमों के अनुदानित, गैर–अनुदानित, स्थायी गैर–अनुदानित विद्यालयों में कक्षा पहली से 8वीं तक शिक्षक सेवक के रूप में नियुक्ति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। राज्य में टीईटी परीक्षा राज्य परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित की जाती है। परिषद द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार टीईटी 23 नवंबर को पूरे राज्य में आयोजित की जाएगी।

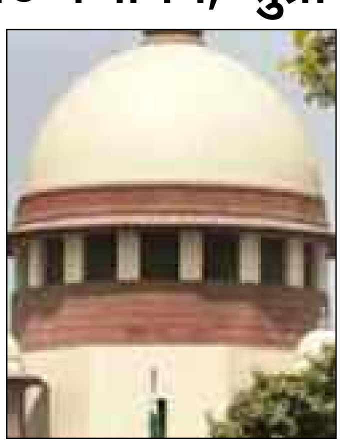

टीईटी परीक्षा में गड़बड़ी

इसमें पहली से पांचवीं तक के लिए पेपर सुबह के एक सत्र में जबकि 6वीं से 8वीं तक के लिए पेपर दोपहर के दो सत्रों में आयोजित किए जाएंगे। आवेदन भरने की अंतिम तिथि तक लगभग 4 लाख 75 हजार उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है। पिछले वर्ष टीईटी के लिए लगभग 3 लाख 58 हजार उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था।

टीईटी परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए बायोमेट्रिक्स, फेस रिकग्निशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सीसीटीवी कैमरे जैसे उपाय किए गए थे। इसके अच्छे परिणाम सामने आए थे। यही वजह है कि आगामी टीईटी के लिए भी इन उपायों का उपयोग किया जाएगा।

पदोन्नति के लिए भी अनिवार्य

सवीच्च न्यायालय ने हाल ही में फैसला सुनाया था कि नए उम्मीदवारों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जो शिक्षण सेवा में शामिल होना चाहते हैं, साथ ही उन शिक्षकों के लिए भी जो सेवा में काम करना जारी रखना चाहते हैं। पदोन्नति के लिए भी अनिवार्य कर दिया गया है।

इसके बाद राज्य परीक्षा परिषद ने समूह संसाधन केंद्र समन्वयक (केंद्राध्यक्ष) पद के लिए घोषित विभागीय परीक्षा की पात्रता मानदंड में भी टीईटी उत्तीर्णता का प्रावधान शामिल किया। इस पृष्ठभूमि में यह संभावना है कि नए उम्मीदवारों के साथ ही कार्यरत शिक्षकों ने भी टीईटी उत्तीर्णता के लिए नवंबर में होने वाली टीईटी के लिए पंजीकरण कराया होगा।

गूगल का महा–निवेश

अमेरिका ने पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अपने एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में खुद को अग्रणी बनाए रखने की बड़ी योजना बनाई है। गूगल भारत में आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस हब की स्थापना के लिए 15 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके तहत विशाखापत्तनम में एक गिगावाट का डेटा सेंटर बनाया जाएगा। यह अमेरिका से बाहर एआई डेटा सेंटर बनाने की गूगल की योजना का हिस्सा है। इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी भारत में डेटा सेंटर बनाने का एलान कर चुकी हैं, हालांकि उनके प्रस्तावित निवेश का स्तर गूगल से काफी कम है। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में फिलहाल एआई में निवेश की होड़ लगी हुई है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खाड़ी देशों की अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमेरिकी एआई परियोजना में पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अमेरिकी एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में अपने देश को अग्रणी बनाए रखने की योजना घोषित की थी। इसके लिए विशाल पैमाने पर डेटा की जरूरत टेक कंपनियों को है। डेटा सेंटर की स्थापना ना सिर्फ महंगा कार्य है, बल्कि इसके लिए अत्यधिक ऊर्जा एवं उपकरणों को शीतलता देने के लिए शुद्ध जल की जरूरत होती है। इसका पर्यावरण पर खराब असर पड़ता है। तो अमेरिका ने अपने प्रभाव क्षेत्र वाले देशों की ऊर्जा उत्पादन क्षमता, जल उपलब्धता, वित्त एवं मानव संसाधन को अपनी परियोजना से जोड़ने का निर्णय लिया है।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जाली एलएलबी 3 में देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह फिल्म बाक्स आफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब हुमा की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम सिंगल सलमा है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान नचिकेत सामंत ने संभाली है। इसके साथ सिंगल सलमा की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

सिंगल सलमा 31 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, फिल्म का पहला पोस्टर भा सामने आ गया है, जिसमें हुमा समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। पोस्टर में हुमा कुरैशी बिल्कुल सहज–स्वाभाविक अंदाज में नजर आ रही हैं. वे एक बेंच पर आराम से बैठी हैं, जैसे किसी गाड़ी का इंतजार कर रही हों. उनके बगल में एक पुराना–सा सूटकेस रखा है. वहीं, इसके पीछे की तरफ फिल्म के बाकी कलाकार खड़े दिख रहे हैं– शायद वे सलमा के जीवन के उन ट्विस्ट्स का प्रतीक हों, जो आने वाले सीन में धमाल मचाएंगे. निर्माताओं ने लिखा, लखनऊ और लंदन– दो शहर, दो लड़के और एक सवाल– आखिर कौन बनेगा सिंगल सलमा का बालमा, किससे होगी सलमा की शादी? फिल्म में सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन भी कम धांसू नहीं है. इसे प्रोड्यूस आलोक जैन, अजीत अंधरे, साकिब सलीम, 3 एंटरटेनमेंट, लालालैंड एंटरटेनमेंट और फिरुजी खान ने मिलकर किया है.

चैंपियंस लीग : आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4—0 से रौंदा, विक्टर बने मैच के हीरो

लंदन , चैंपियंस लीग में आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4–0 से धूल चटाई। विक्टर ग्योकेरेस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। इसी के साथ आर्सेनल ने अपनी शानदार शुरुआत बरकरार रखी है। टीम ने अपने पिछले तीन मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है।एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ मुकाबले में पहला हाफ कड़ा और रणनीतिक रहा, जिसमें दोनों टीमों के लिए कुछ ही स्पष्ट मौके थे, लेकिन कोई गोल नहीं देखने को मिला।

ब्रेक के बाद भी यही स्थिति नजर आ रही थी, लेकिन इसी बीच सेंटर–बैक गेब्रियल मैगलहेस ने 57वें मिनट में डेक्लन राइस के सटीक फ्री–किक को हेडर से गोल में बदलकर मैच का खाता खोला।

इस गोल के बाद आर्सेनल के खिलाड़ियों ने आक्रमक तेवर दिखाए। माइल्स लुईस–स्केली के शानदार रन ने गेब्रियल मार्टिनेली को दूसरा गोल करने का मौका दिया। मार्टिनेली ने मुकाबले के 64वें मिनट गोल दागते हुए आर्सेनल को 2–0 से बढ़त दिलाई।

67वें मिनट स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने गोल दागकर स्कोर 3–0 कर दिया। यह आठ मैचों में उनका आर्सेनल के लिए पहला गोल था।

सिर्फ तीन मिनट बाद ही स्वीडिश फॉरवर्ड ने फिर से गोल किया, इस बार गेब्रियल के एक खतरनाक कॉर्नर से किए गए नॉकडाउन को गोल में बदलकर मैच में अपना दूसरा गोल दागा। आर्सेनल ने सिर्फ 14 मिनट में चार गोलों की शानदार बौछार कर दी।

इससे पहले, एक अन्य मुकाबले में फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक लगाकर बार्सिलोना को ओलंपियाकोस के खिलाफ 6–1 से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। स्पेन के विंगर के संयमित फिनिश ने मेजबान टीम को हाफ टाइम तक 2–0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन अयूब एल काबी ने ओलंपियाकोस के लिए पेनाल्टी के जरिए जवाबी गोल दागा। फर्मिन लोपेज ने अपना तीसरा गोल 76वें मिनट में किया। लामिन यामल (68वें मिनट) और मार्कस रैशफोर्ड के दो गोलों ने बार्सिलोना को 6–1 से जीत दिलाई।

सुपर स्टार महेश बाबू ने किया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज़

आखिरकार इंतज़ार खत्म हो चुका है और रहस्य और डर से भरी दुनिया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर अब आधिकारिक रूप से लान्च हो चुका है, जिसे डिजिटली रिलीज़ किया है सुपरस्टार महेश बाबू ने। ट्रेलर रिलीज़ के साथ ही अब ये बात निश्चित हो चुकी है कि जटाधारा दर्शकों को एक गहरे, डरावने और शक्तिशाली सिनेमाई संसार में ले जाएगी। गौरतलब है कि वैंकट कल्याण द्वारा निर्देशित इस अलौकिक थ्रिलर में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं और दिव्या खोसला अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जटाधारा एक ऐसी दुनिया की कहानी है, जहाँ काला जादू सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक खतरनाक हथियार है, जो इंसानी नियंत्रण से परे शक्तियों को मुक्त करता है। भूली–बिसरी लोककथाओं में जड़ें जमाए यह कहानी महत्वाकांक्षा, लालच और प्राचीन अनुष्ठानों की परतें खोलती है, जो समय के साथ दफन नहीं हो पातीं।

डाली सिंह ने इंस्टाग्राम पर किया वो कारनामा, जो भारत का कोई क्रिएटर ना कर सका

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री डाली सिंह फिर चर्चा में हैं। इंफ्लुएंसर से अभिनेत्री बनी डाली ने अब एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर में उनका डंका बज रहा है। दरअसल, वो इंस्टाग्राम का ग्लोबल 2025 रिंग्स अवार्ड पाने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर डाली ने ये पुरस्कार जीतकर भारत का मान दुनियाभर में रोशन कर दिया है। क्या है ये पुरस्कार और कौन हैं डाली सिंह, आइए जानें। इंस्टाग्राम ने 2025 रिंग्स विजेताओं की घोषणा कर दी है और दुनियाभर के 25 विजेताओं में से डाली भारत की एकमात्र विजेता हैं, जिन्हें ये सम्मान मिला है। इस महीने की शुरुआत में ही इंस्टाग्राम ने रिंग्स नाम के इस पुरस्कार की शुरुआत की, जो उन क्रिएटर्स को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है, जो न सिर्फ ओरिजनल कंटेंट बनाते हैं, बल्कि साथ ही साथ रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाने का साहस भी करते हैं।

टीम इंडिया ने एडिलेड में खेले 15 वनडे मैच, जानिए कैसा है रिकॉर्ड?

नई दिल्ली , भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में 23 अक्टूबर को वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है, जिसमें टीम इंडिया जीत के साथ सीरीज में बराबरी करना चाहेगी। इस मैदान पर भारत ने अब तक कुल 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 9 मैच अपने नाम किए, जबकि पांच मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक मैच टाई रहा।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 23 दिसंबर 1980 को इस मैदान पर पहला वनडे मैच खेला था, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 रन से जीत दर्ज की।

जनवरी 1986 में भारत ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और जीत दर्ज की, जबकि ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा।

दिसंबर 1991 में भारत ने इस मैदान पर कुल दो मैच खेले, जिसमें वेस्टइंडीज को मात देने के बाद एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त झेली। भारत ने 15 मार्च 1992 को इस मैदान पर साउथ अफ्रीका के हाथों 6 विकेट से शिकस्त झेली।

जनवरी 2000 में भारत ने यहां दो मुकाबले खेले। 25 तारीख को उसने पाकिस्तान के खिलाफ 48 रन से मुकाबला जीता, लेकिन अगले ही दिन उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों 152 रन से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। 24 जनवरी 2004 को भारत ने इस मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 रन से करीबी जीत दर्ज की थी। फरवरी 2008 में भारत ने यहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त झेलने के बाद श्रीलंका को मात दी। 12 फरवरी 2012 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को इस मैदान पर पहली बार हराया। 14 फरवरी को श्रीलंका के विरुद्ध मुकाबला टाई रहा। भारत ने 15 फरवरी 2015 को पाकिस्तान के खिलाफ यहां 76 रन से जीत दर्ज की, जिसके बाद 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ 6 विकेट से मुकाबला जीता।

सड़क पर गैराज, पैदल चलना भी चुनौती

शहर में अधिकांश गैराज सड़क पर हो रहे संचालित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम व स्थानीय प्रशासन का ध्यान केवल रेहड़ी-ठेली तक ही सीमित है। जबकि, सड़क पर संचालित हो रहे गैराज यातायात में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। गैराज के नाम पर वाहन सर्विस करने वाले आधे से अधिक सड़क पर कब्जा जमा कर बैठे हुए हैं।

सड़क पर संचालित हो रहे गैराज को पूर्व में मोटर नगर में शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी। लेकिन, यह योजना आज तक धरातल पर रंग नहीं ला पाई। नतीजा, अव्यवस्थाओं के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

कोटद्वार की सड़कों पर करीब 70 से अधिक गैराज संचालित हो रहे हैं। इसमें से अधिकांश गैराज तो गैराज रोड पर ही संचालित हो रहे हैं। गैराज में मरम्मत के लिए आने वाले वाहनों को सड़क पर खड़ा किया जाता है। साथ ही सड़क पर ही मरम्मत का कार्य भी किया जाता है, जिससे पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही पैदल चलने वालों को भी दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति पटेल मार्ग व सिताबपुर-मानपुर मार्ग पर बनी रहती है। झंडाचौक-मानपुर-सिताबपुर मार्ग पर तो भारी वाहनों के साथ ही जेसीबी व पोकलेन की मशीनों की मरम्मत का कार्य सड़क पर ही चलता रहता है। पटेल मार्ग पर एक ओर दोपहिया वाहन मरम्मत व दूसरी ओर सड़क घेरे रेहड़ी-ठेली चुनौती बन रही है। पूर्व में शहरवासियों ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनने के लिए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से गुहार लगाई थी। लेकिन, आज तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

कोटद्वार के पटेल मार्ग में मरम्मत के लिए सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहन

पूर्व में यह बनी थी योजना

एक दशक पहले तत्कालीन नगर पालिका ने सड़क किनारे संचालित हो रहे गैराज को मोटर नगर स्थित खाली दुकानों में शिफ्ट करने की व्यवस्था बनाई थी। उम्मीद थी कि इस योजना से गैराज संचालकों को भी एक स्थान मिल जाएगा और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। नगर पालिका ने लाखों की लागत से मोटर नगर में गैराज भी बनाए। लेकिन, सड़क किनारे चल रहे गैराज आज भी आमजन के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं।

25 अक्टूबर को स्मार्ट मीटर के विरोध में फूंका जाएगा पुतला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों ने 25 अक्टूबर को ऊर्जा निगम व सरकार का पुतला फूंकने का निर्णय लिया है।

बुधवार को लोगों ने ऊर्जा निगम व सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि वह स्मार्ट मीटर के विरोध में पिछले कई दिनों से धरना दे रहे हैं। लेकिन, अब तक उनकी कोई सुध नहीं ली गई।

कहा कि पुराने मीटर को हटाकर लगाए गए नए मीटर को हटाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कहा कि लोगों को बताए बगैर ही ऊर्जा निगम जबरदस्ती घरों में स्मार्ट मीटर लगवा रहे है। स्मार्ट मीटरों में खपत से ज्यादा बिल आ रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने ऊर्जा निगम से स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुराने मीटर लगाने की मांग की है। तय किया गया कि 25 अक्टूबर को शासन-प्रशासन की हठधर्मिता के विरोध में झंडाचौक में स्मार्ट मीटर का पुतला दहन किया जाएगा। इस मौके पर आशाराम, मदन सिंह, परमानंद, जानकी बुड़ाकोटी, नौशाद, अमर सिंह मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील परिसर में स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना देते क्षेत्रवासी।

संक्षिप्त समाचार

शांतिभंग के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : जनपद पौड़ी जिले की लैंसडौन कोतवाली पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार बीती मंगलवार रात को सदर बाजार लैंसडौन से झगड़े की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहंची तो सदर बाजार में दो सगे भाई शराब पीकर आपस में लड़ झगड़कर शान्ति एवं कानून व्यवस्था को भंग कर रहे थे। जिन्हें गिरफ्तार कर कोतवाली लाया गया। दोनों के खिलाफ आईपीसी की धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

धूमधाम से मनाया जायेगा ईगास पर्व

श्रीनगर गढ़वाल : भागीरथी कला संगम के सदस्यों ने बैठक कर एक नवंबर को मनाए जाने वाले ईगास पर्व (बूढ़ी दिवाली) की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष ईगास पर्व भव्य तरीके से मनाया जाएगा। ईगास पर्व प्रभु राम के अयोध्या लौटने की सूचना मिलने के प्रतीक के रूप में भी मनाया जाता है। साथ ही भैलो जलाने की परंपरा वीर माधो सिंह भंडारी और उनके साथियों की स्मृति से जुड़ी है। बैठक में मदन गडोई, पद्मेंद्र रावत, मुकेश नौटियाल, संजय कोठारी, भगत सिंह बिष्ट, रमेश चंद्र थपलियाल, भगवती प्रसाद पुरी, किशोरी नौटियाल, रवि पुरी, प्रमोद और दीनबंधु चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। (एजेंसी)

सोनला-भटियाणा मार्ग हुआ बदहाल

चमोली : उत्तरी कड़ाकोट पट्टी के दर्जनों गांवों को कर्णप्रयाग से जोड़ने वाला सोनला-दसोलीखाल-भटियाणा मार्ग बदहाल है। यहां ग्रामीण जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे हैं। कड़ाकोट पट्टी और नारायणबगड़ ब्लॉक के भुलक्षणी, भटियाणा समेत कई गांवों को 35 किमी लंबी सड़क दशोलीखाल-भटियाणा सीधे कर्णप्रयाग के सोनला में बदरीनाथ हाईवे पर जोड़ती है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सौरियाल, क्षेपंस भूपेंद्र सिंह नेगी, अरविंद सिंह, अजीत सिंह तथा चंद्रमोहन जोशी ने बताया कि पिछले दिनों बरसात में सड़क खस्ताहाल हो गई है। सुनाली से 7 किमी से लेकर 12 किमी. तक सड़क की स्थिति बहुत खराब है। यहां बमुश्किल वाहनों का आवागमन हो पा रहा है। चंद्रमोहन जोशी ने बताया कि 23 सितंबर को ग्रामीणों ने लोनिवि के अधिकारियों से सड़क की दशा सुधारने की अपील की थी। तब लोनिवि गौचर ने जेसीबी से सड़क को व्यवस्थित तो किया लेकिन अब स्थिति यह है कि यहां वाहन फिसल रहे हैं। दूसरी ओर लोनिवि के ईई सुशील कुमार ने बताया कि सड़क का निरीक्षण करने के बाद जल्द इसे ठीक करवा दिया जाएगा। (एजेंसी)

गो पूजा कर लिया गोवंश के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प

उत्तरकाशी। गोवर्धन पर्व पर महिला विकास समिति लक्षेश्वर बाड़ाहाट की ओर से वरुणावत पर्वत की तलहटी पर गोफियारा उजेली में गो पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे साधु-संतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गो पूजन किया। साथ ही पूजन में शामिल लोगों ने गोवंश के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प भी लिया। वहीं इस स्थान का नाम गोवर्धन गोलोक धाम रखा। बुधवार को गोफियारा उजेली में स्थित गो सदन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी कुट्टी महाराज जनार्दन, सर्वेश्वर महाराज, नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, काशी विश्वनाथ के महंत अजय पुरी, परशुराम मंदिर के महंत शैलेंद्र नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी के दिन ही समुद्र मंथन से गोमाता की मूल वंश कामधेनू की प्राप्ति विश्व जगत को हुई। इसी वंश के गोपालन और पूजन के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोपाष्टमी के ही दिन चराने के लिए भी ले गए थे। तब से ही गोपाष्टमी को गोपूजन की शुरूआत हुई। इस दौरान लोगों ने गोवंश के रक्षा और संवर्धन का भी संकल्प लिया। समिति के अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने बताया कि गोफियारा उजेली स्थित गो सदन में 42 गाय हैं जिनकी आज विधिवत रूप से साधु-संतों ने पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही इस स्थान का नाम गोवर्धन गोलोक धाम रखा गया है। इस दौरान गाय को गुड़-चना खिलाया गया। इस मौके पर संस्कृत माह विद्यालय के प्राचार्य द्वारिका प्रसाद, प्रेम सिंह पंवार, मंगल सिंह चौहान, जगमोहन चौहान, जय सिंह, रिंकी राणा, दुर्गा पंवार, कैलाश सिंह, जय सिंह, सुमन रावत आदि मौजूद रहे।

कांडा मेला शुरू, पहले दिन चढ़ाए 25 निशान

श्रीनगर गढ़वाल : ब्लॉक कोट के देहलचौरी क्षेत्र के कांडा गांव स्थित सिद्धपीठ मंजूघोषेश्वर महादेव मंदिर में दो दिवसीय कांडा मेला शुरू हुआ। मंजीन कांडा मेला समिति एवं मंदिर के पुजारी ने देव-पूजन किया। पूजा-अर्चना के साथ मंदिर के कपाट सुबह करीब 7.30 बजे खोले गए। पहले दिन 25 श्रद्धालुओं ने मंदिर में निशान चढ़ाए। ध्याणियां भी अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर मंदिर पहुंचीं।

मंजीन कांडा सेवा समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष कांडा मेले का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष बांटी जाने वाली झंडियों में इस वर्ष लगभग 45 झंडियां मेला समिति ने वितरित की हैं। मेला समिति के अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद भट्ट ने बताया कि निशान चढ़ाने का सिलसिला छोटे कांडा मेला से शुरू हुआ। मंदिर में सबसे पहले ढोल दमाऊं की थाप पर अरकंडी गांव से ठीक डेढ़ बजे मंदिर में पहला निशान पहुंचा। दोपहर करीब 2.15 बजे मां मंजू देवी की डोली मंदिर में पहुंचने के बाद निशानों को चढ़ाने का सिलसिला शुरू हुआ। इस दौरान अलग-अलग गांवों से पहुंचे लोगों ने मंदिर में छत्र चढ़ाए। पुजारी भट्ट ने बताया कि मेले के पहले दिन मंदिर में 25 निशान चढ़ाए गए। मेले के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस मौके पर पुजारी विमल प्रसाद भट्ट, रघुनाथ प्रसाद भट्ट, जगदीश प्रसाद, दिलीप भट्ट, पूर्णानंद भट्ट, तारादत्त भट्ट, स्टाप टीयर्स संस्था के संस्थापक प्रमोद बमराड़ा, उत्तम राणा के साथ ही तहसीलदार दीपक सिंह भंडारी, श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी, टीएसआई नीरज शर्मा सहित आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पारदर्शिता से करवाए चुनाव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अशोक कुमार ने वन संगठन के प्रभागीय चुनाव की अधिसूचना नियमानुसार जारी करने की मांग की है। कहा कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता दिखाई जानी चाहिए।

इस संबंध में उन्होंने क्षेत्रीय मंत्री कर्मचारी संगठन सोहनलाल जखमोला को ज्ञापन भेजा। बताया कि प्रभागीय कमेटियों का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया जा रहा है।

बताया कि चुनाव से पूर्व अब तक पदाधिकारियों ने कोई भी लेखा-जोखा प्रस्तुत नहीं किया है। साथ ही चुनाव अधिकारी की भी नियुक्ति नहीं की गई है।

कहा कि चुनाव प्रक्रिया को बेहतर तरीके से संपन्न करवाने के लिए नियमों का ध्यान दिया जाना चाहिए।

दीपावली के बाद मैदान के लिए बढ़ी यात्रियों की संख्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दीपावली के बाद पहाड़ से मैदान की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। बुधवार को कोटद्वार बस अड्डे में दिल्ली, देहरादून सहित अन्य मैदानी इलाकों में जाने वाले यात्रियों की भीड़ उमड़ी हुई थी। पहाड़ से वाहन भर-भरकर कोटद्वार स्टेशन में पहुंच रहे थे। यहां से रूटों के लिए परिवहन निगम की ओर से अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया।

दीपावली के अवकाश पर बड़ी संख्या में लोग अपने घर आए हुए थे। कुछ दिन पूर्व तक मैदान से पहाड़ जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा था। लेकिन, अब यही प्रवासी वापस मैदान की ओर लौटने लगे हैं।

बुधवार को कोटद्वार से दिल्ली, देहरादून, गुरुग्राम सहित अन्य क्षेत्रों को जाने के लिए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अड्डे से सड़क पर आते ही वाहनों की सीट फुल हो जा रही थी। यहां तक की कई यात्री खिड़की के रास्ते सामान डालकर सीट घेरने का भी प्रयास करते हुए नजर आए। सबसे अधिक परेशानी परिवार के साथ सफर करने वाले लोगों को उठानी पड़ी। कई लोगों को निजी वाहन बुक कर आवागमन करना पड़ा। हालांकि, मैदान के लिए कई रूटों पर उत्तर प्रदेश की बसों का संचालन होने से यात्रियों को काफी राहत मिली। देहरादून के लिए भी काफी भीड़ देखने को मिली। देहरादून के लिए भीड़ को देख मैक्स वाहन चालकों के चेहरे खिल गए थे।

कोटद्वार के स्टेशन रोड में बस का इंतजार करते यात्री

मार्ग निर्माण के लिए एकजुट होना जरूरी

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर जारी रहा आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। आंदोलन में डटे लोगों ने शहरवासियों से मार्ग निर्माण के लिए एकजुट होने की अपील की। कह कि इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग निर्माण के लिए चिल्लरखाल में पिछले कई सप्ताह से आंदोलन चल रहा है। बुधवार को धरने पर डटे लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि राज्य गठन के दशकों बीत जाने के बाद भी अब तक मोटर मार्ग निर्माण नहीं हो पाया है। हर चुनाव में मुद्दा बनने के बाद भी यह मार्ग धरातल पर रंग नहीं ला पा रहा है। जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को सड़क पर आंदोलन करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने सरकार व जनप्रतिनिधियों पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। कहा कि राज्य बनने के बाद लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग पर राजनीति होती रही है, जबकि वास्तविक धरातल पर किसी भी राजनीतिक दल ने ठोस काम नहीं किया। नतीजा, मोटर मार्ग अधर में लटका हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि मोटर मार्ग के बन जाने से क्षेत्र के समग्र विकास के द्वार भी खुलेंगे। क्षेत्र के लोगों को आवागमन की सुविधा तो मिलेगी। साथ ही क्षेत्रीय औद्योगिक इकाईयों को भी गति मिलेगी। क्षेत्र के लोगों ने शासन-प्रशासन से सड़क मार्ग निर्माण में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने की मांग की है। इस मौके पर राम कंडवाल, पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत, प्रवीन थापा, प्रकाश रावत, रविंद्र सिंह सौंद, हेमा नेगी, रमेश भंडारी, संजय रावत, नारायण सिंह, रंजना रावत, स्वाति लखेड़ा, पिंकी गुसांई, उर्मिला देवी मौजूद रहे।

कोटद्वार में चिल्लरखाल चैक पोस्ट के समीप लालढांग-चिलरखाल वन मोटर मार्ग की मांग को लेकर धरना देते क्षेत्रवासी।

बैकुंठ चतुर्दशी मेला 1 नवंबर से, तैयारियां जोरो पर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ब्लॉक पौड़ी के गगवाड़स्यूं घाटी स्थित सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर में पांच दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले में छात्र-छात्राओं के कार्यक्रम होंगे और हास्य कलाकार संदीप छिलबट दर्शकों को गुदगुदाएंगे। लोक गायक मुकेश कठैत जागरण करेंगे। मंदिर समिति बलोड़ी की ओर से चतुर्दशी मेला एक से पांच नवंबर तक होगा। शिव ध्वजा यात्रा व आरोहण, चक्रव्यूह का मंचन, लोक गायिका संगीता ढौंडियाल व साहब सिंह रमोला की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। अध्यक्ष केशर सिंह कठैत, सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल ने बताया कि मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सरकारी भूमि पर बना दिया मत्स तालाब, ग्रांट भी हड़पी

चमोली : विकासखंड देवाल के ग्राम ल्वाणी में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत मत्स तालाब निर्माण को लेकर हुए विवाद में डीएम द्वारा बनाई गई जांच कमेटी में तालाब निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि के बजाए ग्रामीण द्वारा सरकारी जमीन में बनाए जाने की पुष्टि हुई है।

जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित की है। गौरतलब है कि ल्वाणी गांव में वर्ष 2022 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत ग्रामीणों को स्वरोजगार के लिए मत्स तालाब निर्माण को लेकर कार्य योजना प्रस्तावित की गई थी। इस कार्य योजना में गांव के खड़क सिंह ने भी आवेदन किया था। शिकायत थी कि इस योजना में ग्रामीण द्वारा अपनी नाम भूमि के जो दस्तावेज लगाए गए थे तालाब निर्माण उसमें किए जाने के बजाए सरकारी भूमि में हुआ है। पूर्व जिलाधिकारी ने इस मामले में गांव के ही निवासी विरेंद्र सिंह की शिकायत पर उप जिलाधिकारी थराली व मुख्य कृषि अधिकारी गोपेश्वर को जांच सौंपी थी। बताया गया कि जांच टीम ने मौके पर निरीक्षण के साथ भूमि दस्तावेजों का अवलोकन करने के साथ संबंधित ग्रामीण के भी बयान दर्ज किए हैं। जांच में पाया गया कि जिस भूमि पर तालाब बनने थे उसके बजाए तालाब सरकारी भूमि पर निर्मित हुए हैं। इस कार्ययोजना में संबंधित ग्रामीण को पचास प्रतिशत अनुदान की राशि के रूप में छः लाख पिचत्तर हजार का भुगतान भी किया गया है। जांच टीम द्वारा जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी गई है। (एजेंसी)

स्थायी राजधानी गैरसैंण के लिए नौ को देंगे धरना

चमोली : गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने के लिए राज्य स्थापना दिवस नौ नवंबर को कर्णप्रयाग में धरना दिया जाएगा। इसके लिए स्थायी राजधानी निर्माण संघर्ष समिति गांवों में जागरूकता अभियान चला रही है और ग्रामीणों से धरने में प्रतिभाग करने की अपील की जा रही है। बुधवार को स्थायी राजधानी निर्माण संघर्ष समिति के संयोजक सेनि. आईएएस अधिकारी विनोद रतूड़ी के नेतृत्व में सिरोली, भटोली, उज्ज्वलपुर, ताल, आदिबदरी आदि गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने के लिए एकजुट होने की बात कही गई। रतूड़ी ने कहा कि जिस तरह से उत्तराखंड राज्य के गठन के लिए आंदोलन किया गया था वैसे ही स्थायी राजधानी गैरसैंण में बनाने के लिए वृहद आंदोलन की आवश्यकता है। समिति के संयोजक विनोद रतूड़ी ने कहा कि संघर्ष समिति की ओर से पूर्व में दिल्ली के जतंर-मंतर और परेड ग्राउंड देहरादून में गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग को लेकर किए गए धरना-प्रदर्शन में जिस तरह से उनको समर्थन मिला है। उससे लग रहा है कि स्थानीय लोग इस संवेदनशील पहल के प्रति गंभीर हैं। उन्होंने जनता से नौ नवंबर को कर्णप्रयाग में प्रस्तावित धरने में प्रतिभाग करने का आह्वान किया है।

माणा में 25 व 26 को होगा महोत्सव

चमोली : देश के प्रथम गांव माणा में 25 और 26 अक्तूबर को देव भूमि सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत आयोजित इस महोत्सव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शिरकत करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का उद्देश्य सीमांत गांव माणा को सीमांत पर्यटन, सांस्कृतिक गौरव और सामुदायिक विकास के एक जीवंत केंद्र के रूप में स्थापित करना है। महोत्सव में गढ़वाल की समृद्ध परंपराओं का प्रदर्शन होगा। स्थानीय कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताएं, हस्तशिल्प, स्थानीय जड़ी बूटियों और जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके अलावा पर्यटकों के लिए प्रकृति भ्रमण, विरासत यात्राएं और व्यास गुफा, वसुधारा, सरस्वती घाटी के आइडेट टूर आयोजित किए जाएंगे। (एजेंसी)

पीड़ितों की धनराशि वापस दिलवाने को दिखाएं गंभीरता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिप्ट को-आपरेटिब सोसाइटी (एलयूसीसी) पीड़ितों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। पीड़ितों ने सरकार से जल्द से जल्द उनकी डूबी हुई रकम को वापस दिलवाने की मांग उठाई। कहा कि सरकार को इसके लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

कोटद्वार तहसील परिसर में पीड़ित पिछले 106 दिन से धरने पर डटे हुए हैं। पीड़ितों ने कहा कि वे विगत कई माह से तहसील परिसर में धरना दे रहे है, लेकिन शासन-प्रशासन उनके आंदोलन की अनदेखी कर रहा है, अभी तक कंपनी के फरार संचालकों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिससे उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। कहा कि अब तो निवेशक भी अपने पैसे वापस करने करने का दबाव बना रहे है, लेकिन वे निवेशकों को कहां से पैसे लौटाएं। कंपनी के संचालक तो पैसे लेकर फरार हो गए है, ऐसे में शासन-प्रशासन को फरार संचालकों को गिरफ्तार कर डूबी रकम को वापस दिलाने का काम करना चाहिए। इस मौके पर सुनीता नेगी, ज्योति नेगी, संदीप रावत, सुरेश नेगी, बीरेंद्र सिंह रावत, सुरेश नेगी, राजेंद्र भंडारी, हरेंद्र रावत, लक्ष्मण बिष्ट, बिजेंद्र रावत, धीरज बिष्ट मौजूद रहे।

तहसील परिसर में धरना देते एलयूसीसी पीड़ित

पुरातन छात्र संगठन के अध्यक्ष बनें अजय मोहन नेगी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के अंतर्गत घंडियाल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में पुरातन छात्र-छात्राओं का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर पुरातन छात्र संगठन का गठन किया गया है। अजय मोहन नेगी को छात्र परिषद का अध्यक्ष चुना गया। विद्यालय के अभिभावक प्राणराज सिंह चौहान के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की।

एचएनबी गढ़वाल विश्व विद्यालय पौड़ी परिसर के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल के पुरातन छात्र नवीन राजेंद्र सिंह रावत के दिशा निर्देशन में पुरातन छात्र संगठन का गठन किया गया। पुरातन छात्र परिषद में अध्यक्ष अजय मोहन नेगी, उपाध्यक्ष सूरज रावत, सचिव अंजली बिष्ट, सहसचिव प्रीति, कोषाध्यक्ष अभिषेक कपटियाल, सह कोषाध्यक्ष अनुज रावत को चुना गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप सिंह रावत ने पुरातन छात्र-छात्राओं से विद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने का अनुरोध किया। उन्होंने क्षेत्र में निरंतर हो रहे पलायन के कारण विद्यालय की घटती छात्र संख्या पर चिंता जताई। उन्होंने पुरातन छात्र संगठन के गठन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यालय के छात्रों को लाभ मिलेगा। विशिष्ट अतिथि पूर्व छात्र नवीन राजेंद्र सिंह रावत ने विद्यालय में छात्र जीवन और एक आचार्य के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने का अनुभव साझा किया। इस मौके पर अंकित रावत, अमन रावत, गुंजन नैथानी, शुभम नेगी सहित अन्य पुरातन छात्र मौजूद रहे।

पुलिस ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

चमोली : थाना दिवस के तहत नंदानगर थाना पुलिस ने मोख तल्ला में जाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। पुलिस की ओर से हर माह थाना दिवस का आयोजन थाने में किया जाता है जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं का निस्तारण किया जाता है। बुधवार को भी थाना दिवस लगाया गया लेकिन ग्रामीण नहीं पहुंच सके। पता किया तो ग्रामीणों ने कहा कि खेती के काम में व्यस्तता के कारण वे थाने में नहीं आ पाएंगे। ऐसे में नंदानगर पुलिस प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस कर्मी गांव ही पहुंच गए और लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के भी उपाय बताए। कहा कि फोन पर किसी भी अज्ञात लिंक, कॉल या मैसेज पर निजी जानकारी साझा न करें। यदि किसी के साथ ठगी हो जाती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। (एजेंसी)

जखोली कृषि एवं औद्योगिक मेले की तैयारियां जोरों पर

रुद्रप्रयाग : ब्लाक मुख्यालय जखोली में आगामी 25 अक्तूबर से होने वाले पांच दिवसीय कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले को लेकर मेला समिति की तैयरियां अंतिम चरण में है। मेले में जहां विभिन्न स्कूली बच्चे एवं स्थानीय महिला मंगल दल सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देगे। प्रतिदिन लोक गायकों की प्रस्तुतियां आकषर्ण का केंद्र रहेंगी। हर साल की तरह इस बार भी 25 से 29 अक्तूबर तक ब्लॉक मुख्यालय परिसर में मेले का आयोजन किया जाएगा। पांच दिवसीयमेले में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी एवं स्वयं सहायता समूहों सहित क्षेत्र के प्रगतिशील किसान प्रदर्शिनी एवं स्टालों के माध्यम से लोगों को जानकारी देंगे। 25 अक्तूबर को विधायक भरत सिंह चौधरी जखोली मेले का शुभारंभ करेंगे। पहले दिन महिला मंगल दलों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। 26 अक्तूबर को केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल मेले में अतिथि होंगी। इस दिन विभिन्न विद्यालयों की छात्र छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं जय केदार कला मंच की ओर से द्रौपदा की लाज कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। 27 अक्तूबर को पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत मेले में अतिथि होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बच्चे लेने स्कूल गई महिला, चोरों ने घर में लगा दी सेंध

देहरादून। रायपुर क्षेत्र में बच्चों को लेने स्कूल गई एक महिला के घर में चोरों ने सेंध लगाकर गहने और नकदी चोरी कर ली। वहीं, बसंत विहार में दूसरे मामले में चोरों ने कर्नल के घर से नल चोरी कर लिए। पुलिस के अनुसार, रायपुर थाने में कविता बिजल्वाण निवासी नत्थुवावाला ने तहरीर दी कि 15 अक्तूबर को वो बच्चों को लेने के लिए घर के समीप देहरादून वर्ल्ड स्कूल गई थीं। करीब एक घंटे बाद जब वो लौटी तो घर में सामान अस्त–व्यस्त पड़ा था। अल्मारी का दरवाजा खुला था। महिला ने देखा अल्मारी से नकदी और जेवरात गायब हैं।

उधर, बसंत विहार थाने में कर्नल अनुराग नौटियाल ने तहरीर दी कि वो जम्मू कश्मीर में तैनात हैं। इंदिरानगर में उनका घर बंद पड़ा है। 22 अक्तूबर को उनके पड़ोसियों ने उन्हें घर में चोरी होने की सूचना दी। पड़ोसियों ने चोरों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो भाग गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। कर्नल ने बताया कि चोर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसे और किचन, बाथरूम के नल खोलकर ले गए। आनन–फानन में चोर अपनी चप्पल और शॉल छोड़कर भाग गए। पुलिस ने दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

ओवरलोडिंग रोकने को चला सघन वाहन चेकिंग अभियान

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने त्योहारों के बाद पहाड़ी क्षेत्रों से कार्यस्थलों की ओर लौटने वाले लोगों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए जनपद में सघन वाहन चेकिंग के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान अक्सर वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, जिसे रोकने के लिए पुलिस सतर्कता बरत रही है। निर्देशों के पालन में अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह, क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्षों के नेतृत्व में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों और परिचालकों को सख्त चेतावनी दी जा रही है कि वे ओवरलोडिंग न करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और निर्धारित गति सीमा का पालन करें। वहीं यात्रियों को भी जागरूक किया जा रहा है कि यदि कोई चालक या परिचालक नियमों का उल्लंघन करता हुआ दिखाई दे, तो तत्काल डायल 112 पर सूचना दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे लापरवाह चालकों और परिचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का यह चेकिंग अभियान जनपद के सभी क्षेत्रों में लगातार जारी है।

धार्मिक दीवान में जत्थों ने गुरुओं की महिमा का किया गुणगान

रुद्रपुर। बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर दीपावली मेले में बुधवार को भी धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहा। बाबा अलमस्त दीवान हॉल में प्रसिद्ध रागी, ढाडी, कविशरी जत्थे और कथावाचक दिन–रात गुरुओं की महिमा का गुणगान कर रहे हैं। रागी जत्थों ने संगत को गुरुवाणी से निहाल किया। धार्मिक दीवान के तीसरे दिन धर्म प्रचार कमेटी के सचिव सेवानिवृत्त सरदार अजीत सिंह ने दरबार साहिब में प्रवचन कर नानकमत्ता साहिब के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अकाली नेता सुखजीत सिंह बघौरा (पटियाला) ने गुरुओं की महिमा का बखान कर संगत को निहाल किया। धार्मिक दीवान में पंथ के प्रसिद्ध भाई मनजिंदर सिंह, भाई बलवीर सिंह पारस, भाई मनवीर सिंह, भाई सुखपाल सिंह बी.ए., भाई गुरबाज सिंह, भाई गुरसेवक सिंह, कथावाचक भाई संतोख सिंह, भाई सुखवंत सिंह और भाई गुरभेज सिंह समेत देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे धार्मिक जत्थों ने गुरुवाणी से संगत को भाव विभोर किया। उन्होंने बंदी छोड़ दिवस व दीपावली पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुओं के त्याग व बलिदान की जानकारी दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। धार्मिक दीवान का संचालन सुखविंदर सिंह एमए ने किया। गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में चल रहे 15 दिवसीय दीपावली मेले में बुधवार को देश के विभिन्न राज्यों से आई संगत के साथ स्थानीय श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में मत्था टेकने पहुंचे। गुरुद्वारा श्री भंडारा साहिब में अकाल तख्त की मर्यादा के अनुसार अमृत संचार कार्यक्रम आयोजित हुआ। गुरुद्वारा में मत्था टेकने के लिए राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रमुख भी प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

दीपावली पर आतिशबाजी में झुलसे 200 से अधिक लोग

देहरादून : दीपावली में आतिशबाजी का रोमांच कई लोगों पर भारी पड़ गया। पटाखे फोड़ते समय असावधानी के चलते किसी का हाथ जल गया, तो किसी का चेहरा झुलस गया। राजधानी के अस्पतालों में दीपावली की मध्य रात्रि तक पटाखों से झुलसने वाले कई लोग पहुंचे। इसके अलावा श्वास व त्वचा संबंधी समस्या के चलते भी कई लोगों को अस्पताल की शरण लेनी पड़ी। राहत की बात यह रही कि दीपावली के उल्लास में किसी बड़ी दुर्घटना ने खलल नहीं डाला। पटाखे फोड़ने पर व्यक्ति जितना रोमांच महसूस करता है, ये उतना ही खतरनाक भी है। पटाखों के बारुदी धुएं में स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। जिसमें श्वास व त्वचा संबंधी समस्या आम है। इसके अलावा पटाखों से झुलसने के मामले भी ज्यादा रहते हैं। दीपावली का यह स्याह पहलू इस बार भी सामने आया। दीपावली के दिन अस्पतालों की इमरजेंसी में मध्य रात्रि तक भीड़ रही। इनमें अधिकतर मामले पटाखों से झुलसने के हैं। दून व कोरोनेशन के अलावा शहर के कुछेक चुनिंदा निजी अस्पताल ही लें, तो यह संख्या 200 पार कर गई। सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि आतिशबाजी के रोमांच ने लोगों को किस तरह का दर्द दिया है। बहरहाल राहत इस बात की रही कि इनमें गंभीर प्रकृति के बहुत कम मामले हैं। दीपावली पर झुलसे मरीजों में अधिकांश अनार और चरखी से झुलसे हैं। यह आंकड़ा कुल मरीजों का 90 प्रतिशत है। चिकित्सा अधीक्षक दून मेडिकल कालेज अस्पताल डा. आरएस बिष्ट ने

बताया कि इमरजेंसी में हर विभाग के चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई थी। दीपावली की रात इमरजेंसी में 500 से अधिक मरीज पहुंचे। जिनमें पटाखों से झुलसने के भी कई मामले थे। राहत की बात यह रही कि इन्हें भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। पीएमएस, जिला चकित्सालय (कोरोनेशन अस्पताल) डा. मनु जैन ने बताया कि पटाखों से झुलसने के कारण करीब 50 मरीज इमरजेंसी में पहुंचे। इनमें किसी को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। वहीं, श्वास रोगियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अच्छी बात यह रही कि कोई गंभीर मामला नहीं आया।

अस्थमा के मरीजों की बढ़ी परेशानी

अतिशबाजी ने श्वास रोगियों का भी दम फुलाया। दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय और निजी अस्पताल में ऐसे मरीजों की भी भीड़ रही। चिकित्सकों के अनुसार काफी संख्या में मरीज अस्थमा से पीड़ित आए।

आंखों के मरीजों की बढ़ी संख्या

दीपावली के बाद दून मेडिकल कालेज अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में भी मरीजों की खासी भीड़ देखी गई। मंगलवार को विभाग की ओपीडी में 55 मरीज पहुंचे, जिनमें चार मरीजों को आंखों के आसपास जलने की शिकायत थी। आठ को आंख में चोट, दो को आंख में छिद्र और तीन को पलकों में कटाव जैसी समस्याएं थीं। नेत्र रोग विभाग के प्रोफेसर डा. सुशील ओझा के अनुसार, दीपावली के दौरान आंखों को नुकसान पहुंचने के अधिक मामले सामने आए हैं। इनमें एक मरीज की आंखों में टांके तक लगाने पड़े। पटाखे के कारण उसकी आंख फट गई थी।

कहां कितने मामले

दून अस्पताल
बर्न-54
दुर्घटना-46
मारपीट-26
श्वास, पेट संबंधी दिक्कत व अन्य–345
जिला चिकित्सालय (कोरोनेशन अस्पताल)
बर्न-50
मारपीट-20
अन्य-40

मंदिर में चोरी करने के बाद चोर की लगी आंख...

चम्पावत। प्रसिद्ध ऋषेश्वर महादेव मंदिर में घुसकर चोरी करने के बाद चोर भैरव मंदिर के अंदर सो गया। अगली सुबह पूजा करने पहुंचे पुजारी ने मंदिर में संदिग्ध को सोया देख पुलिस को बुलाकर उसे सुपुर्द कर दिया। उसके पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ है। मंगलवार की सुबह पुजारी लक्ष्मण मंदिर में पूजा करने आए थे। इस दौरान भैरव मंदिर के अंदर उनको किसी व्यक्ति के होने का आहट सुनाई दी। वे वहां पहुंचे तो मंदिर के भीतर महंत के कपड़े पहने एक व्यक्ति सोया था।

लक्ष्मण ने बताया कि उन्होंने मंदिर के दरवाजे पर कुंडा लगा दिया था और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोला और आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाने के प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम हयात सिंह निवासी बाराकोट बताया। पुजारी के अनुसार व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर है।

हेड कांस्टेबल लविश ने वुशु में जीता रजत पदक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी पुलिस के हेड कांस्टेबल लविश कुंवर ने वुशु प्रतियोतगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हएु रजत पदक जीता है। यह उपलब्धि जनपद पौड़ी गढ़वाल ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड पुलिस परिवार के लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण है। 8 से 16 अक्टूबर 2025 तक जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित 10वें ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर में जनपद पौड़ी पुलिस के हेड कांस्टेबल लविश कुंवर ने वुशु प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने लविश कुंवर के रजत पदक जीतने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार राज्य व राष्ट्र का नाम गौरवान्वित करने हेतु प्रेरित किया।

शीत कालीन यात्रा को प्रमोट करने के लिए होटलों में भी पचास प्रतिशत की छूट देंगे: एसोसिएशन

देहरादून। उत्तराखंड होटल एसोसिएशन ने गढ़वाल मंडल विकास निगम व प्रदेश सरकार का शीत कालीन यात्रा के लिए निगम के होटलों में पचास प्रतिशत की छूट का स्वागत किया है। होटल एसोसिएशन ने शीत कालीन यात्रा को प्रमोट करने के लिए होटलों में भी पचास प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की। उत्तराखंड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप साहनी ने मसूरी में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शीत कालीन यात्रा हम सबका सपना था कि अच्छी तरह से चले व सालों से इसके लिए प्रयासरत थे। गढ़वाल मंडल विकास निगम ने उत्तराखंड के सारे होटलों विशेष कर उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग व चमोली के चारधाम रूटों पर शीत कालीन यात्रा को प्रमोट करने के लिए पचास प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की जिसका उत्तराखंड होटल एसोसिएशन स्वागत करता है। सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए उत्तराखंड होटल एसोसिएशन भी शीत कालीन यात्रा को प्रमोट करने के लिए अपने होटलों में भी पचास प्रतिशत की छूट देगा। ताकि शीत कालीन यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिले, सुखद अहसास हो व अच्छा अनुभव मिले व कम खर्चे पर यात्रा कर सकें। उन्होंने कहा कि इससे जहां शीत कालीन यात्रा को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा वहीं पलायन रुकेगा। इन क्षेत्र में युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी दो पड़ावों पर शीत कालीन यात्रा में शामिल होने की बात कही है, जिससे साफ है कि सभी राजनैतिक दल शीत कालीन यात्रा की महत्ता को समझ रहे हैं जो प्रदेश के विकास के लिए जरूरी है। मसूरी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि गढ़वाल मंडल विकास निगम के शीत कालीन यात्रा के लिए यात्रियों को पचास प्रतिशत छूट देने की घोषणा से मसूरी होटल एसोसिएशन उत्साहित है। उत्तराखंड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप साहनी ने भी इसका समर्थन किया व यात्रा रूट के होटलों में पचास प्रतिशत छूट होटलों में देने की घोषणा की। मसूरी में भी जो चारधाम शीत कालीन यात्रा के तहत आएंगे, उनको पचास प्रतिशत की छूट देने के लिए होटलियर्स से आग्रह किया जायेगा। अगर शीतकाल में व्यवसाय बढ़ेगा तो निश्चित ही यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा।

गौवर्धन पर्व पर गौ सदन ज्योली में हुआ गौ संवर्धन यज्ञ

अल्मोड़ा। गौवर्धन पर्व के अवसर पर बुधवार को गौ सदन ज्योली में गौ संवर्धन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा न्यास के सचिव दयाकृष्ण कांडपाल ने यज्ञ सम्पन्न कराया और गुलाम भारत में गौरक्षा के लिए पहली बार आवाज उठाने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती को श्रद्धांजलि अर्पित की। दयाकृष्ण कांडपाल ने गौवर्धन पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीपावली पांच दिवसीय पर्वो का उत्सव है, जिसमें गौवर्धन पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन गाय और गौवंश की पूजा की जाती है तथा उन्हें गौ–ग्रास अर्पित कर समृद्धि की कामना की जाती है। उन्होंने बताया कि गायों को सजाना–संवारना, उनके सींगों में तेल मालिश करना और उन्हें रोगों से मुक्त करने के लिए देखभाल करना इस पर्व की पारंपरिक परंपराएं हैं। कार्यक्रम में दयाकृष्ण कांडपाल के साथ दिनेश चन्द्र तिवारी और गौरव भट्ट ने यज्ञ सम्पन्न कराया। इस अवसर पर पूरन चन्द्र तिवारी, चन्द्रमणि भट्ट, दिनेश तिवारी, एम.सी. कांडपाल, यशवंत परिहार, मोहन चन्द्र कांडपाल, राजेन्द्र कांडपाल, लता कांडपाल, सरोज अग्रवाल, गोविन्द जोशी, गौरव भट्ट और मोहन सिंह रावत सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दीपावली के बाद शहर में कूड़े का भार 180 टन तक बढ़ा

देहरादून। दीपावली के बाद शहर में कूड़े का भार 180 टन तक बढ़ गया, जिससे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर दबाव देखने को मिला। सामान्य दिनों में जहां दून से रोजाना करीब 450 से 500 टन कचरा निकलता है, वहीं त्योहार के दौरान यह मात्रा लगभग 680 टन तक पहुंच गई। पटाखों, पूजा–सामग्री और सजावट के अपशिष्ट ने शहर की सफाई व्यवस्था की असली परीक्षा ले ली। हालांकि, निगम की ओर से शहर की सफाई में पूरी ताकत झोंक दी गई है। नगर निगम देहरादून की ओर से दावा किया गया है कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पूरा तंत्र मैदान में उतरा हुआ है। हालांकि, निगम अधिकारियों के अनुसार, पूरे शहर को साफ–सुथरा करने में दो से तीन दिन का समय लग सकता है। नगर आयुक्त नमामी बंसल के निर्देश पर निगम ने दीपावली, छठ पूजा और अन्य

पर्वों को ध्यान में रखते हुए 11 से 20 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान शहर से 702.2 टन अतिरिक्त कचरा एकत्र कर शीशमबाड़ा ट्रांसफर स्टेशन और प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाया गया। निगम के अनुसार, वर्तमान में रोजाना करीब 100 टन अतिरिक्त कूड़ा उठाया जा रहा है। इसके लिए अतिरिक्त ट्रैक्टर–ट्रालियां और वाहन लगाए गए हैं। वार्डों में बार–बार चक्कर लगाकर कचरे के समयबद्ध निस्तारण को सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही, ग्रीन वेस्ट संग्रह के लिए प्रतिदिन पांच ट्रैक्टर–ट्रालियां समर्पित की गई हैं।

नगर आयुक्त ने राशा इंफ्रास्ट्रक्चर, जो कि कारगी मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन और शीशमबाड़ा प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन कर रही है, को दोनों शिफ्टों में कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सभी सीएसआइ और एसआइ को अपने–अपने वार्डों की निगरानी सख्ती से करने के आदेश दिए गए हैं। नगर निगम का यह विशेष स्वच्छता अभियान छठ पूजा तक जारी रहेगा। निगम का लक्ष्य है कि देहरादून को स्वच्छता के क्षेत्र में एक आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

डिलीवरी के लिए हुए ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में छोड़ी पट्टी, नौ महीने बाद इंफेक्शन से हुई मौत

देहरादून। नौ महीने पहले डिलीवरी के लिए हुए ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने महिला के पेट में पट्टी छोड़ दी। इसके बाद महिला की कई बार तबीयत खराब हुई लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों ने कोई गौर नहीं किया। तीन दिन पहले महिला को ग्राफिक एरा अस्पताल ले जाया गया तो वहां सच्चाई सामने आई। अब फिर ऑपरेशन हुआ तो इंफेक्शन अधिक होने से उसकी मौत हो गई।

परिजन महिला के शव को जहां डिलीवरी हुई उस अस्पताल के सामने लाए और हंगामा शुरू कर दिया। मामले की प्राथमिक जांच के बाद सीएमओ ने मदर केयर अस्पताल का रजिस्ट्रेशन रद्द कराने के साथ ही इसे सील करा दिया। अब तीन सदस्यीय समिति गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। इंस्पेक्टर

डालनवाला मनोज मैनवाल ने बताया कि क्षेत्र के अस्पताल मदर केयर के सामने कुछ लोगों ने सोमवार को प्रदर्शन किया।

एक महिला की लाश को अस्पताल के सामने रखकर हंगामा किया जा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और सीएमओ को सूचना दी गई। इसके बाद परिजनों ने बताया कि लक्खीबाग निवासी प्रज्वल की पत्नी 26 वर्षीय ज्योति की मदर केयर अस्पताल में 29 जनवरी 2025 को डिलीवरी हुई थी।

प्रज्वल सहारनपुर चौक पर पंक्चर की दुकान चलाते हैं। ऑपरेशन के बाद ज्योति ने एक बेटी को जन्म दिया। कुछ दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रखकर उन्हें छुट्टी दे दी गई। इसके कुछ दिन बाद ज्योति को पेट में दर्द हुआ। उसे फिर मदर केयर अस्पताल लाया गया। यहां ज्योति की जांच की गई लेकिन डॉक्टरों ने सब कुछ सामान्य बता दिया। कुछ दिन बाद फिर से यही समस्या आई और अस्पताल ने फिर वही कि कहा कि कुछ नहीं है और दवाई देकर चलता कर दिया। दर्द बढ़ता गया।

ज्योति के पति प्रज्वल ने बताया कि ज्योति रात–रात भर सो नहीं पा रही थी। ऐसे में उसे तीन दिन पहले ग्राफिक एरा अस्पताल ले जाया गया। यहां पर पता चला कि ज्योति के पेट में इंफेक्शन अधिक हो गया है।

प्रशिक्षणाधीन अग्निवीरों को साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी

अल्मोड़ा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर जनपद में साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में रानीखेत थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार धनकड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने केआरसी रानीखेत में प्रशिक्षणाधीन अग्नि वीरों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां दीं। चौकी प्रभारी ताड़ीखेत बृजमोहन भट्ट ने प्रशिक्षणार्थियों को साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्टिंग तथा ठगों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। साथ ही उनसे बचाव के उपाय बताए और उनके संदेहों का समाधान भी किया। अग्नि वीरों को यह भी बताया गया कि वे अपने आस–पास के लोगों को साइबर ठगी से बचाव के बारे में जागरूक करें, ताकि समाज में साइबर सुरक्षा की समझ बढ़े। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड पुलिस एप, यातायात नियमों, नवीन कानूनों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

त्योहारी सीजन में देहरादून मे हुई वाहनों की जमकर खरीदारी

– तीन दिन में परिवहन विभाग को पांच हजार वाहनों के रजिस्ट्रेशन प्राप्त

देहरादून। जीएसटी में भारी छूट मिलने के बाद त्योहारी सीजन में दूनवासियों ने दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की जमकर खरीदारी की। तीन दिन में परिवहन विभाग को पांच हजार वाहनों के रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। डीलरों के माध्यम से वाहनों के आनलाइन पंजीकरण कराए जा रहे हैं। पिछले कुछ समय से आटो बाजार मंदा चल रहा था। लेकिन इस त्योहारी सीजन में वाहनों की बड़ी तादाद में खरीदारी हुई।

दरअसल, दूनवासियों ने धनतेरस एवं दीपावली में वाहन पर जीएसटी की भारी छूट का जमकर फायदा उठाया। दो पहिया एवं कार में विभिन्न कंपनियों ने बेहतर आफर रहा। दो पहिया एवं चार पहिया वाहन पर तकरीबन 20–25 प्रतिशत तक छूट दी गई। शहरवासी मौका का फायदा उठाने में पीछे नहीं हटे। इस लिए भी तस्वीर साफ होती है कि तीन दिन में परिवहन विभाग की साइट पर पांच हजार वाहन पंजीकृत हुए हैं। आरटीओ (प्रशासन) संदीप सैनी ने बताया धनतेरस, दीपावली पर वाहनों की खरीदारी जमकर हुई है। इसका प्रमाण परिवहन विभाग की साइट दे रही है। पंजीकरण का आंकड़ा पिछले तीन दिनों का है। आगे भी पंजीकरण होने के आसार लगाए जा रहे हैं। एक सप्ताह के भीतर वाहनों के पंजीकरण की स्थिति साफ हो जाएगी। बताया परिवहन कार्यालय फाइल पहुंचते ही नंबर जारी किए जाएंगे।

देहरादून में छठ को भव्य बनाने की तैयारी, घाटों की सफाई के आदेश

देहरादून। आस्था के महापर्व छठ को भव्य बनाने की तैयारी को लेकर जिला–प्रशासन की ओर से घाटों की सफाई कराने का आदेश दिया गया है। देहरादून में ऐसा पहली बार होगा, जब तीन स्थलों पर नदियों के किनारे छठ पूजा के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं, ताकि व्रत करने वालों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। कुंभ की तर्ज पर घाटों पर सुविधा प्रबंध करने की तैयारी चल रही। पथ–प्रकाश की व्यवस्था होगी, साथ ही कपड़े बदलने को महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम भी बनाए जा रहे।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि तैयारी को लेकर प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, ऊर्जा निगम व सिंचाई विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दून शहर में पूर्वांचलवासियों के महापर्व छठ पूजन को भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन ने इस बार व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू की हुई है। नगर निगम, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को जिम्मेदारी बांट दी गई है। चंद्रबनी व टपकेश्वर मंदिर में व्यवस्था की जिम्मेदारी सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह जबकि प्रेमनगर पुल के नीचे व्यवस्था के लिए उप–जिलाधिकारी (सदर) हर गिरी को जिम्मेदारी दी हुई है। तीनों आयोजन स्थलों पर मोबाइल शौचालय रखने के साथ ही महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम भी बनाए जा रहे हैं।

पत्नी से छेड़छाड़ के विवाद में पति पर जानलेवा हमला

रुद्रपुर। पत्नी से छेड़छाड़ के विवाद में पति पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सुभाष कॉलोनी वार्ड 29 निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि बीती 19 अक्तूबर की रात कुछ युवकों ने धारदार हथियार से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि उसकी गैर मौजूदगी में मोहल्ले का ही एक व्यक्ति तीन दिन पूर्व उसके घर में घुस आया था और पत्नी से छेड़छाड़ की थी। इस संबंध में उसकी पत्नी ने चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि इसी प्रकरण में 19 अक्तूबर की रात करीब नौ बजे पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोप है कि जब वह अपने ई–रिक्शा से चौकी जा रहा था, तभी आरोपी के बेटे सोहिल, अरबाज और अन्य साथियों ने उस पर हमला बोल दिया। हमलावरों ने उसके सिर पर वार कर दिया और उसका हाथ तोड़ दिया।

बिहार के चुनावी रण में मोर्चे पर डटे उत्तराखंड भाजपा के योद्धा

देहरादून। बिहार विधानसभा के चुनावी रण में उत्तराखंड भाजपा के सूरमा भी मोर्चे पर डटे हैं। समान नागरिक संहिता लागू करने समेत अनेक ऐतिहासिक निर्णय लेकर देशभर में चर्चा में आए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वाभाविक रूप से पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं तो प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार को बिहार के 42 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। नैनीताल सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री अजय भट्ट को वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा तीन विधायकों को भी मोर्चे पर लगाया गया है। अब भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा की टोलियां भी चुनाव प्रचार के लिए बिहार भेजने की तैयारी है।

भाजपा 2014 के लोकसभा चुनाव से अजेयः उत्तराखंड में भाजपा वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से अजेय बनी हुई है। तब से लेकर अभी तक के प्रत्येक चुनाव में वह विपक्ष को चारों खाने चित्त करती आई है तो इसमें उसके बेहतर बूथ प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

चुनाव कोई भी हो, उसमें बूथ प्रबंधन के तहत प्रत्येक बूथ पर पन्ना प्रमुखों की तैनाती, बूथ स्तर पर टोली कार्यकर्ताओं की निरंतर सक्रियता और की–वोटर से लगातार संपर्क पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता है। इसीलिए, उत्तराखंड भाजपा के बूथ प्रबंधन को बेहतर माना जाता है और इसी के दृष्टिगत पार्टी नेतृत्व लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनावों में यहां के पार्टी नेताओं का भरपूर उपयोग किया जाता है।

इसी कड़ी में उत्तराखंड से भाजपा नेताओं को बिहार विधानसभा चुनाव में मोर्चे पर उतारा गया है। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं।

पार्टी के प्रदेश महामंत्री अजेय कुमार एक माह पहले से बिहार में मोर्चा संभाले हुए हैं। पिछले तीन सप्ताह से नैनीताल सांसद अजय भट्ट भी वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले छह विधानसभा क्षेत्रों में सभाओं, रोड शो, बैठकें समेत अन्य कार्यक्रमों में सक्रिय हैं। इसके साथ ही विधायक प्रदीप बत्रा, शिव अरोड़ा व अरविंद पांडेय को भी अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है।

नैनीताल सांसद भट्ट के अनुसार पूरे बिहार में भाजपा–एनडीए के पक्ष में जबर्दस्त लहर चल रही है। इधर, सीतामढ़ी विधानसभा क्षेत्र के छह दिवसीय दौरे से लौटे विधायक एवं पूर्व मंत्री अरविंद पांडेय के अनुसार वह उन्हें आवंटित सीतामढ़ी क्षेत्र के 247 बूथ इकाइयों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुके हैं। एक–दो दिन बाद वह फिर से सीतामढ़ी क्षेत्र के लिए रवाना होंगे। इसी प्रकार अन्य नेता भी अपने–अपने क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं।

सांसद बंसल ने किया 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस 2025 के ब्रोशर का विमोचन

देहरादून। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित होने वाले 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस 2025 के ब्रोशर का विमोचन किया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 13 से 15 दिसंबर 2025 तक देहरादून में आयोजित होगा। सम्मेलन का विषय "विकसित भारत @ 2047 के लिए जनसंपर्क विज़न" रखा गया है।

इस अवसर पर सांसद नरेश बंसल ने कहा कि जनसंपर्क समाज, सरकार और जनता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करता है। जनसंपर्क केवल सूचना का प्रसार नहीं, बल्कि संवाद,

विश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से विकास को नई दिशा देने का माध्यम है। विकास योजनाओं और कार्यक्रमों से जनता को जोड़ने में जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह सम्मेलन न केवल विचारों के आदान–प्रदान का मंच बनेगा, बल्कि भारत@2047 की दृष्टि को सशक्त बनाने में भी योगदान देगा।कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है, ऐसे में देहरादून में इस स्तर का आयोजन होना बहुत महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन से राज्य के जनसंपर्क क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी और युवा पेशेवरों को सीखने–समझने का अवसर प्राप्त होगा।

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के पदाधिकारियों ने बताया कि तीन दिवसीय जनसंपर्क के महाकुंभ के रूप में आयोजित यह राष्ट्रीय सम्मेलन देशभर से जनसंपर्क विशेषज्ञों, मीडिया प्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स और शिक्षाविदों की उपस्थिति में आयोजित होगा।

काशीपुर बाईपास रोड में 60–60 फीट होगा सड़क चौड़ीकरण

रुद्रपुर। शहर के सबसे व्यस्ततम काशीपुर बाईपास रोड का 60–60 फीट चौड़ीकरण के साथ पुनर्निर्माण जल्द शुरू होगा। यह योजना दीवाली के बाद व्यापारियों और आम जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी। अब इस मार्ग पर घंटों जाम की समस्या का समाधान होगा। विधायक शिव अरोरा ने बताया कि काशीपुर बाईपास रोड का चौड़ीकरण व्यापारी हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। इस काम में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए नगर निगम द्वारा पहले ही निशान लगाने का कार्य किया जा चुका है। विधायक ने कहा कि हमारा उद्देश्य इस निर्माण कार्य के दौरान व्यापारियों को कम से कम नुकसान पहुंचाना है। इसके साथ ही जनता को जाम की समस्या से निजात दिलवाना है। वर्तमान में काशीपुर बाईपास की सड़क एक साइड 15 से 20 फीट चौड़ी है, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न होती है। अब विधायक अरोरा और मेयर विकास शर्मा ने इस सड़क के 60–60 फीट चौड़े निर्माण का प्रस्ताव दिया है, जिससे सड़क की कुल चौड़ाई 120 फीट हो जाएगी। इस योजना के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर धनराशि भी जारी की जा चुकी है और कार्य अगले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगा।

विधायक ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा और क्षेत्र की तस्वीर भी बदलेगी। वहीं, नगर निगम द्वारा जिन दुकानदारों को अपनी आजीविका के लिए दुकानें आवंटित की गई हैं, उनके पुनर्वास को लेकर नगर आयुक्त और जिला प्रशासन के साथ सहमति बन चुकी है। विधायक अरोरा ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के दिशा–निर्देशों का सम्मान करते हैं और निर्माण कार्य के दौरान उनका पूरी तरह से अनुपालन किया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com